Weather Report
अधिकतम तापमानः 32.0c
न्यूनतम तापमानः 21.0c
हवा गतिः 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबहः 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्षः 11 अंकः 11 जयपुर, शनिवार, 15 जून 2024 पृष्ठः8 मूल्यः ‘1.50

अब होगी सुर्खियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

नीट फर्जीवाड़े को लेकर 24 लाख बच्चों के सवाल कायम

1000 किमी दूर का मनचाहा सेंटर कैसे दिया, ग्रेस मार्क्स किस आधार पर दिए

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित नीट-यूजी परीक्षा से संदेह के बादल छंट नहीं रहे हैं। एनटीए भले 1563 छात्रों को ग्रेस अंक देने का फैसला पलटकर दोबारा परीक्षा करवा रही हो, लेकिन कई मुद्दे हैं, जो एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। सबसे बड़ा मुद्दा पेपर लीक और इसे लेकर हुए बड़े लेनदेन का है। एनटीए और खुद केंद्रीय शिक्षा मंत्री इससे इनकार कर चुके हैं, लेकिन बिहार के पटना में पेपर लीक और गुजरात के गोधरा में अभ्यर्थियों को पास कराने के एवज में 10-10 लाख वसूले जाने के सबूत और मनचाहा सेंटर अलॉट होना परीक्षा में गहरी साजिश की ओर इशारा कर रहे हैं। इस बीच, एनटीए अब तक बिहार और गुजरात पुलिस को नीट का मूल प्रश्न पत्र उपलब्ध नहीं करवा पाया है। बिहार की जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि एनटीए ने जांच के लिए सबसे जरूरी मूल प्रश्न पत्र नहीं भेजे हैं। इस वजह से जले हुए टुकड़ों का मिलान नहीं कर पाए हैं। वहीं गुजरात पुलिस की भी एनटीए से यही शिकायत है। पंचमहाल पुलिस के मुताबिक मई से अब तक एनटीए ने सहयोग नहीं किया। पुलिस टीम शुक्रवार को दिल्ली पहुंची है। एनटीए ने 16 में से बिहार, झारखंड, ओडिशा के 10 छात्रों का भी ब्योरा गुजरात पुलिस से साझा नहीं किया है।

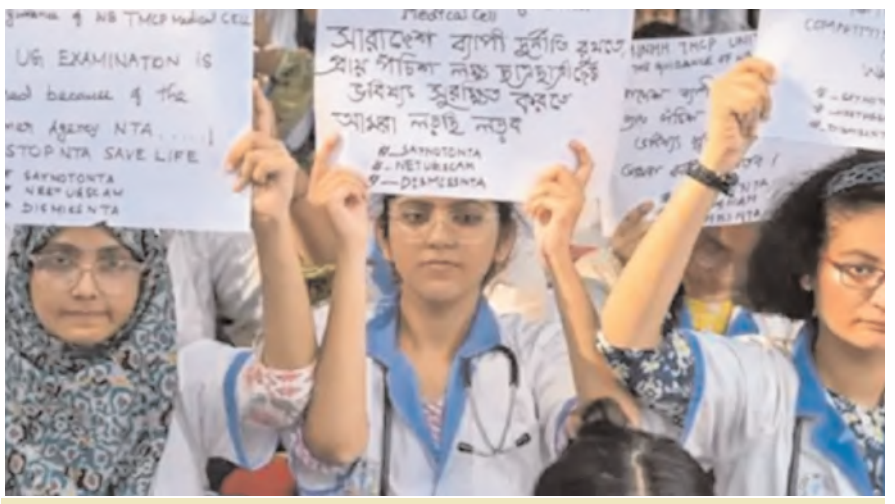

गोधराः 16 छात्रों ने 10-10 लाख दिए, सेंटर भी चुना

ओडिशा, कर्नाटक, झारखंड के 16 छात्रों को गुजरात के गोधरा में जय जलाराम स्कूल का मनचाहा सेंटर कैसे मिला, जबकि उनके राज्यों में सेंटर थे? नियम है कि छात्र 100-150 किमी दूर तक केंद्र चुन सकते हैं, जबकि यहां दूरी 1000 किमी से अधिक है? पुलिस 5 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। 2.30 करोड़ के 16 चेक बरामद हुए हैं। मुख्य आरोपी तुषार भट्ट ने कबूल किया है कि दूसरे राज्यों के 16 छात्रों से नीट परीक्षा पास कराने के लिए 10-10 लाख रुपए लिए थे। जो 1000 किमी दूर मनचाहे सेंटर पर परीक्षा देकर नीट पास करने के हिस्सेदार थे। इस 24 घंटे में जिन छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया, उनमें से कितने छात्र क्वालिफाई हुए? क्या इनमें से कुछ टॉप रैंकर भी बने? सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को अपना जवाब देने के लिए अगली सुनवाई की तारीख 8 जुलाई दी है और नीट की काउंसिलिंग 6 जुलाई से शुरू हो रही है। अगर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा के खिलाफ फैसला दिया या इस पर रोक लगाने का मुद्दा उठा तो काउंसिलिंग का क्या होगा?

बिहारः 4 घंटे पहले माफिया तक कैसे पहुंचा पर्चा

पटना में जेल भेजे गए चार अभ्यर्थियों यह कबूल कर चुके हैं कि उन्हें नीट परीक्षा से चार घंटे पहले प्रश्नपत्र और उत्तर मिल गया था। इसका प्रिंट आउट लिया गया और 5 मई को सुबह 10 बजे रटाना शुरू किया गया। पुलिस ने यहीं से जले प्रश्न पत्र और एक ही बुकलेट नंबर 6136488 की तीन कॉपी बरामद की है। पुलिस पेपर लीक का केस दर्ज कर चुकी है। पर्चा आउट नहीं हुआ तो माफिया तक कैसे पहुंचा? माफिया ने पुलिस की रेड से पहले प्रश्नपत्रों को क्यों जला दिया? हरियाणा के झज्जर में हरदयाल पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल अंशु यादव ने कहा कि उनके यहां 504 छात्रों ने परीक्षा दी। किसी का एक मिनट बर्बाद नहीं हुआ। सवाल उठता है कि इन छात्रों को किस आधार पर समय बर्बाद होने के ग्रेस अंक दिए? अब ग्रेस अंक वापस लिए तो परीक्षा के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा? एनटीए ने समय खराब होने के चलते 1563 छात्रों को अलग -अलग ग्रेस अंक दिए। क्या इसके लिए एनटीए की गवर्निंग बॉडी से मंजूरी ली गई थी? किस अधिकारी के फैसले पर क्लैट में समय खराब होने के बदले ग्रेस अंक के फॉर्मूले को नीट में अपनाया गया? जबकि क्लैट ऑनलाइन तो नीट ऑफलाइन हुई थी। एनटीए ने नीट की आवेदन तारीख एक हफ्ते के विस्तार के बाद 16 मार्च को बंद कर दी थी। फिर अचानक 9 अप्रैल को एक दिन के लिए रजिस्ट्रेशन विंडो क्यों खोली गई?

केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना के बेटे पर केस

बेंगलुरु के कपल ने फ्रॉड, ब्लैकमेल और डराने-धमकाने का आरोप लगाया

संजीवनी टुडे

बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना के बेटे अरुण पर बेंगलुरु के एक दंपती ने फाइनेंशियल फ्रॉड करने और डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। इवेंट मैनेजमेंट कंपनी चलाने वाले इस कपल ने शुक्रवार को बेंगलुरु पुलिस में अरुण और दो अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें फ्रॉड के अलावा ब्लैकमेलिंग, हाथापाई और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। अरुण के अलावा अन्य दो लोगों की पहचान दसाराहल्ली के रहने वाले जीवन कुमार और हेब्बल के रहने वाले प्रमोद राव के तौर पर की गई है। वी सोमन्ना ने प्रधानमंत्री मोदी की तीसरी कैबिनेट में जल शक्ति और रेलवे मंत्रालय में राज्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है। इससे पहले 2021 से 2023 तक वे कर्नाटक की बासवराज सरकार में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट मिनिस्टर और आवास मंत्री रहे थे। शिकायत के मुताबिक तृप्ति और उनके पति माधवराज बीते 23 साल से इवेंट मैनेजमेंट कंपनी चला रहे हैं। अरुण से उनकी मुलाकात 2013 में एक सरकारी इवेंट में हुई थी। इस कपल ने इससे पहले अरुण की बहन के लिए एक बर्थडे पार्टी का आयोजन किया था, जिसकी काफी तारीफ हुई थी। कपल के काम से खुश होकर अरुण ने माधवराज से पार्टनरशिप करने को कहा था। अरुण ने तब कहा था कि कर्नाटक सरकार में उनके पिता की प्रभावशाली पोजिशन के जरिए वे अपना बिजनेस बढ़ा सकते हैं। लेकिन 2019 में कोरोना महामारी के चलते कंपनी को नुकसान हो गया। कपल ने कहा कि अरुण ने कंपनी का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और मुनाफ़े उनके साथ शेयर करना बंद कर दिया। बाद में अरुण ने कपल से डिमांड कि वे शेयरहोल्डर्स के पद से इस्तीफा दे दें और 1.2 करोड़ रुपए मुआवजे के तौर पर दें। जब कपल ने मना किया तो अरुण ने ऑफिस के कर्मचारियों के सामने उन्हें अपशब्द कहे और माधवराज को बेल्ट और लैंप से मारा। पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर ली है। नाबालिग से यौन शोषण के आरोप मामले में कर्नाटक के पूर्व सीएम और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को गिरफ्तारी को अगली सुनवाई तक रोक दिया गया है।

खड़गे बोले-मोदी के पास जनादेश नहीं

सरकार कभी भी गिर सकती है, हम चाहते हैं चलती रहे, अच्छा न चलने देना प्रधानमंत्री की आदत

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार (14 जून) को कहा कि गक्ह की सरकार गलती से बनी है। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है। यह अल्पमत की सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। उन्होंने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि यह सरकार चलती रहे, देश के लिए अच्छा हो, हमें देश को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री की आदत है कि जो अच्छा चल रहा है, उसे चलने नहीं देते। हम देश को मजबूत करने की दिशा में सहयोग करेंगे। एनडीए के पास 293 तो इंडिया ब्लॉक के पास 234 सांसद हैं। मोदी समेत 72 सांसदों ने 9 जून को शपथ ली थी। खड़गे ने नीट यूजी एग्जाम में हुई गड़बड़ियों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस पर खामोश क्यों हैं? सरकार इस स्कैम पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है। अगर नीटका पेपर लीक नहीं हुआ तो बिहार में 13 आरोपियों को अरेस्ट क्यों किया गया। खड़गे ने एक्स पर सवाल उठाए- क्या पटना की आर्थिक अपराध शाखा (क्ठ) ने शिक्षा माफिया को 30 और 50 लाख दिए जाने का खुलासा नहीं किया। क्या पेपर लीक में आर्गनाइज्ड गैंग शामिल नहीं हैं? क्या गुजरात के गोधरा में नीट-यूजीमें धोखाधड़ी के रैकेट का खुलासा नहीं हुआ? यहां धोखाधड़ी में 3 लोग शामिल थे। यहां आरोपियों के बीच 12 करोड़ के ट्रांजैक्शंस की बात भी सामने आई। क्या मोदी सरकार देश के लोगों को बेवकूफ बना रही है। सरकार ने 24 लाख युवाओं के सपनों को चूर-चूर कर दिया है। डॉक्टर बनने का सपना लिए 22 लाख युवाओं ने नीट की परीक्षा दी थी। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 1 लाख सीट्स हैं, जिनमें से करीब 55 हजार एससी, एसटी, ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर के लिए आरक्षित हैं। मोदी सरकार नेशनल टेस्टिंग एजेंसी का गलत इस्तेमाल कर रही है। रिजर्व्ड सीट्स के लिए भी कट-ऑफ मार्क्स बढ़ाए गए। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार 14 जून को नीट-यूजी पेपर लीक और इसकी सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई की।

मामले पर 8 जुलाई को अगली सुनवाई होगी

कोर्ट ने कहा कि एनटीए दो हफ्तों के अंदर इस पर अपना पक्ष रखे। इस मामले पर 8 जुलाई को अगली सुनवाई होगी। कुछ स्टूडेंट्स और पेरेंट्स ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। प्रधान ने भरोसा दिया कि जांच में किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाएगी। सरकार पारदर्शी प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है। नतीजे आने के छठे दिन रविवार 9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत 72 मंत्रियों ने शपथ ली। पीएम के अलावा 60 मंत्री भाजपा और 11 अन्य दलों के हैं।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र में मानसून 3-4 दिन में पहुंच सकता है

पूर्वोत्तर के 8 राज्यों में गरज के साथ बारिश, यूपी-दिल्ली समेत 4 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और बंगाल की खाड़ी में 3-4 दिन में मानसून पहुंच सकता है। वहीं, भारतीय मौसम विभाग (ऋ्रक) ने पूर्वोत्तर के 7 राज्यों असम, मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम और मिजोरम में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं और गरज के बारिश की संभावना जताई है। ऐसा मौसम 7 दिन तक रह सकता है। वहीं, उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और चंडीगढ़ में 15-18 जून तक सीवियर हीटवेव (तेज लू) का अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू में भी दो दिन हीटवेव की स्थितियां बन सकती हैं। सिक्किम सरकार ने शुक्रवार 14 जून को प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर 7602673187 जारी किया है। सरकार ने मानसून सीजन में लोगों से सावधान रहने की भी ताकीद दी है। सिक्किम में गुरुवार (13 जून) को एक दिन में 220 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। इससे पिछले साल बना संगकालांग ब्रिज ढह गया, जिससे गुरुडोंगमार झील और युनथांग घाटी जैसे पर्यटन स्थलों के लिए मशहूर मंगन जिले के जोंगु, चुंगथांग, लाचेन और लाचुंग जैसे शहर देश के बाकी हिस्सों से कट गए हैं।

यूपी का प्रयागराज देश में सबसे गर्म, 46.9 डिग्री रहा तापमान

उत्तर प्रदेश का प्रयागराज शुक्रवार को सबसे गर्म रहा। ऋ्रकके मुताबिक, यहां का तापमान 46.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, यूपी, हरियाणा, दिल्ली और पूर्वी मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में टेम्परेचर 44-46 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

गुजरात में मानसून ने दस्तक दी

गुजरात में मानसून आधिकारिक तौर पर आ चुका है। दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय हो गया है। इसके चलते मौसम विभाग ने अगले 6 दिनों तक राज्य के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है। शुक्रवार को सूरत, बनासकांठा, गांधीनगर, अहमदाबाद, नवसारी, वलसाड समेत कई जिलों में गरज के साथ बारिश हुई। राहत-बचाव में जुटे डिजास्टर मैनेजमेंट के अधिकारियों ने बताया कि लाचुंग और चुंगथांग में करीब 2 हजार पर्यटक फंसे हैं। इन्हें अब हेलिकॉप्टर से ही रेस्क्यू किया जा सकता है, लेकिन खराब मौसम में हेलिकॉप्टर का उड़ पाना मुमकिन नहीं है। फिलहाल, पर्यटक जहां फंसे हैं, उन्हें वहीं रहने को कहा गया है। सिक्किम में तीस्ता नदी भी उफान पर है।

सिरसा ब्लॉक समिति चेयरमैन रिश्वत लेते गिरफ्तार

ठेकेदार के बिल पास करने के बदले लिए 40 हजार रुपए, एसीबी ने ट्रैप लगाकर पकड़ा

संजीवनी टुडे

सिरसा। हरियाणा की एंटी करप्शन ब्यूरो (इएउ) ने सिरसा में ब्लॉक समिति चेयरमैन को ठेकेदार से 40 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। चेयरमैन के खिलाफ एंटी करप्शन एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में पंचायत विभाग के ठेकेदार राजकुमार ने एंटी करप्शन ब्यूरो को शिकायत दी थी। राजकुमार ने बताया था कि उसने गांव कंवरपुरा में पंचायत समिति के जारी किए काम किए थे। इनमें गांव में 2 गलियां बनाई गई थी और गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की दीवार ऊंची कराई थी। इसके बिल पंचायत समिति चेयरमैन कृष्ण पास नहीं कर रहे थे। उसने बताया कि करीब 8-9 माह से यह बिल अटकाए हुए हैं। बिल पास करने के लिए उससे 40 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही है। राजकुमार ने बताया कि वह कई बार चेयरमैन से आग्रह भी कर चुका है कि बिल पास कर दो, लेकिन वह पहले रिश्वत के रुपये मांग रहा है। शिकायत के बाद इएउ की टीम का गठन किया गया और शुक्रवार को टीम ने 40 हजार के केमिकल व हस्ताक्षर युक्त नोट राजकुमार को देकर चेयरमैन को देने के लिए कहा। राजकुमार ने चेयरमैन से संपर्क किया तो उसने सिरसा के एयरफोर्स स्टेशन के पास स्थित अपनी दूध की डेयरी पर राजकुमार को बुला लिया। जैसे ही राजकुमार ने चेयरमैन को रुपए पकड़ाए तो एसीबी की टीम ने मौके पर छापा मारकर चेयरमैन को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

बंगाल गवर्नर बोले- राज्य में मौत का तांडव हो रहा

कहा- चुनाव के बाद से हिंसा जारी है, पीड़ितों को मुझसे मिलने नहीं दे रही पुलिस

संजीवनी टुडे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल गवर्नर सीवी आनंद बोस ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा। चुनाव के बाद से राज्य में जारी हिंसा को लेकर उन्होंने कहा कि राज्य में कई जगहों पर मौत का तांडव हो रहा है और राज्य सरकार हिंसा के शिकार लोगों को राज भवन नहीं आने दे रही है। बंगाल की सीएम संविधान की उपेक्षा नहीं कर सकती हैं। दरअसल गुरुवार को पुलिस ने भाजपा लीडर और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी और चुनावों के बाद जारी हिंसा के पीड़ितों को राज भवन जाने से रोका था। इसके पीछे पुलिस ने कारण दिया था कि राज भवन के आसपास सेक्शन 144 लागू है। गवर्नर बोस ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैंने इन सभी लोगों को राज भवन आने और मुझसे मिलने की लिखित इजाजत दी थी, इसके बावजूद उन्हें राज भवन आने से रोका गया। मैं ये जानकर स्तब्ध हूं कि कुछ कारण बताकर इन सभी लोगों को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने से रोका गया। गवर्नर ने कहा कि मुख्यमंत्री संवैधानिक नियमों का उल्लंघन नहीं कर सकती हैं। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सरकार अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करे।

गवर्नर ने ममता से जवाब मांगा है

शुक्रवार को पीड़ितों से मिलने के बाद गवर्नर ने कहा कि मैंने पीड़ितों की बात सुनी। यह कहानी का एक पक्ष है। गवर्नर होने के नाते मैं निष्पक्ष होना चाहता हूं, इसलिए मैंने इस मामले में राज्य सरकार से भी रिपोर्ट मांगी है। सरकार का पक्ष सुनने के बाद मैं अपनी राय दूंगा। गवर्नर ने कहा कि उन्होंने ममता बनर्जी को चिट्?ठी लिखकर पूछा है कि इजाजत दिए जाने के बावजूद पुलिस ने किस आधार पर सुवेंदु अधिकारी और हिंसा पीड़ितों को राज भवन आने से रोका। गवर्नर ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 167 के मुताबिक किसी मुख्यमंत्री के लिए यह जरूरी है कि जब भी उनसे कोई रिपोर्ट या जानकारी मांगी जाए तो वे दें। संविधान में यह भी लिखा है कि गवर्नर को अधिकार है और यह गवर्नर की ड्यूटी भी है कि वे मुख्यमंत्री को बताएं कि कौन सा मुद्दा मंत्रिमंडल के सामने रखना है। मैं और मुझसे पहले के गवर्नर ऐसा कर चुके हैं। राज्य में मौत का तांडव हो रहा है। पंचायत चुनावों के दौरान मैंने अपनी आंखों से देखा है। मैं राज्य में कई जगह गया था। इन चुनावों में भी हिंसा, हत्या, डराने-धमकाने के कई मामले सामने आए हैं। ये जारी नहीं रह सकता है। उन्होंने कहा कि सबसे खराब बात यह है कि जब गरीब लोग मुझसे मिलकर अपनी परेशानी बताने आए तो उन्हें रोक दिया गया। मैं जनता का गवर्नर बनना चाहता हूं, इसलिए मैं लोगों से मिलता हूं, उनके साथ वक्त बिताता हूं। सरकार को अपनी ड्यूटी पूरी करनी होगी। अगर सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाती है।

राउज एवेन्यू कोर्ट में याचिका लगाई

केजरीवाल पत्नी के सामने मेडिकल कराना चाहते हैं: 19 जून को ज्यूडिशियल कस्टडी खत्म होगी

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। शराब नीति केस में तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल ने मेडिकल टेस्ट को लेकर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में याचिका लगाई है। दिल्ली एख्र की मांग है कि मेडिकल टेस्ट के दौरान पत्नी सुनीता वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़ी रहें। इस मामले में शनिवार (15 जून) को सुनवाई होगी। 5 जून को राउज एवेन्यू कोर्ट ने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया था कि केजरीवाल के जरूरी मेडिकल टेस्ट कराए जाएं। साथ ही केजरीवाल की मेडिकल ग्राउंड पर 7 दिन की जमानत की मांग वाली अंतरिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था और ज्यूडिशियल कस्टडी 19 जून तक बढ़ा दी थी। केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को उन्हें अंतरिम जमानत दी थी। जमानत पर 21 दिन बाहर रहने के बाद 2 जून की शाम 5 बजे केजरीवाल ने तिहाड़ में सरेंडर किया था। आम आदमी पार्टी का दावा है कि गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल का वजन 7 किलो कम हो गया है और उनका कीटोन लेवल हाई है, जो किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। आप ने यह भी कहा था कि डॉक्टरों ने केजरीवाल को पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी और कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन और कुछ दूसरे मेडिकल टेस्ट कराने की सलाह दी थी, जिसके कारण उन्होंने अपनी अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी। जेल में रहते हुए उनका शुगर लेवल भी लगातार चर्चा का विषय बना हुआ था। केजरीवाल और उनकी पार्टी ने यह दावा भी किया था कि उन्हें इंसुलिन नहीं दी जा रही है। केजरीवाल ने 2 जून को सरेंडर के पहले इइ्कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था।

सिक्किम में लैंडस्लाइड से 6 की मौत, कई लापता

पर्यटन स्थलों पर 2 हजार से ज्यादा लोग फंसे, 12 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। देश के उत्तरी राज्यों में हीटवेव और तेज गर्मी का दौर लगातार जारी है। दूसरी ओर नॉर्थ-ईस्ट में भारी बारिश देखने को मिल रही है। पिछले तीन दिन से जारी बारिश के चलते सिक्किम में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। जगह-जगह लैंडस्लाइड और बाढ़ में सैकड़ों घर और कई सड़कें बह गईं। सबसे ज्यादा तबाही सिक्किम के मंगन जिले में हुई है। यहां गुरुवार (13 जून) को एक दिन में 220 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। इससे पिछले साल बना संगकालांग ब्रिज ढह गया, जिससे गुरुडोंगमार झील और युनथांग घाटी जैसे पर्यटन स्थलों के लिए मशहूर मंगन जिले के जोंगु, चुंगथांग, लाचेन और लाचुंग जैसे शहर देश के बाकी हिस्सों से कट गए हैं। राहत-बचाव में जुटे डिजास्टर मैनेजमेंट के अधिकारियों ने बताया कि लाचुंग और चुंगथांग में करीब 2 हजार पर्यटक फंसे हैं। इन्हें अब हेलिकॉप्टर से ही रेस्क्यू किया जा सकता है, लेकिन खराब मौसम में हेलिकॉप्टर का उड़ पाना मुमकिन नहीं है। फिलहाल, पर्यटक जहां फंसे हैं, उन्हें वहीं रहने को कहा गया है।

बिहार का बक्सर देश में सबसे गर्म, तापमान 47.2 डिग्री

मौसम विभाग ने उत्तरी हिस्सों में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। शुक्रवार (14 जून) को उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ और ओडिशा के अलग-अलग स्थानों में लू चलने का अनुमान है। मानसून में देरी के चलते आने वाले कुछ दिन गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार के कई इलाकों में गुरुवार (13 जून) को तापमान 46 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया। बिहार का बक्सर 47.2 डिग्री तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कई जगहों पर तापमान 44 से 47 डिग्री दर्ज किया गया। सिक्किम में तीस्ता नदी भी उफान पर है, जिससे सिंगताम शहर के निचले इलाकों में रहने वाले लोग प्रभावित हो सकते हैं। पिछले साल उत्तरी सिक्किम में एक हिमनद झील के फटने से अचानक बाढ़ आई थी। इसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

खबरें फटाफट

जल संरक्षण हेतु भारत विकास परिषद ने विभिन्न जगह लगाएं पोस्टर

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। भारत विकास परिषद राजगढ़ शाखा द्वारा जल संरक्षण हेतु लोगों में जल जागृति लाने के लिए पोस्टर चिपकाए गए। उन पंपलेट को शहर के विभिन्न जगहों पर लगाया गया। जिससे कि सभी लोग पढ़े और जल जागृति हेतु प्रेरित हो। इस अवसर पर डॉक्टर के एम गुप्ता, शाखा अध्यक्ष पदमा गोयल, सचिव रश्मि विजय, प्रीति विजय, रामरतन तांबी, जिनेंद्र जैन, पूर्व अध्यक्ष लोकेश रावत, राजीव जैन आदि उपस्थित रहे।

हड्डी रोग एवं मधुमेह जांच शिविर रविवार को

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। लायंस क्लब राजगढ़ एवं श्री साई क्लीनिक के संयुक्त तत्वावधान में हड्डी रोग एवं मधुमेह जांच शिविर का आयोजन 16 जून रविवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक श्री ब्राह्मण धर्मशाला गोविंद देव जी बाजार में किया जा रहा है। जिसमें हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ दिव्यांक गुप्ता एवं मधुमेह विशेषज्ञ डॉ कविता हिसारिया जांच करेंगे। लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ खेमसिंह आर्य एवं कार्यक्रम संयोजक मदनलाल शर्मा ने बताया कि शिविर में बी.एम.डी. (हड्डी की जांच), वजन, बी.पी. एवं मधुमेह की जांच निः शुल्क की जावेगी। चयनित मरीजों का श्री साई क्लीनिक पर चिरंजीवी, आयुष्मान, आरजीएचएस से केशलेस ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

राजीविका की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय इमर्शन साईट कार्यशाला का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। राजीविका की ओर से भारत माता राजीविका सीएलएफ में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन टीम द्वारा राष्ट्रीय इमर्शन साईट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन आजीविका मिशन के उपनिदेशक रमन बाधवा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला में आजीविका मिशन से डॉ. जूई भट्टाचार्य द्वारा संस्थागत निर्णय एवं क्षमता संवर्धन पर, महमूद हसन द्वारा मॉडल सीएलएफ पर, सुन्दिता बनर्जी द्वारा लिंग एवं जेण्डर पर, प्रियंका द्वारा खाद्य पोषण एवं स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। वहीं जयश्री मोहन्नता द्वारा कंर्वजेन्सन के बारे में बताया गया। जयपुर आजीविका मिशन से डॉ रमणिका कौर, डॉ पूजा शर्मा द्वारा मॉडल सीएलएफ की आगामी गतिविधियों पर जानकारी दी गई। भारत माता सीएलएफ की कलस्टर मेनेजर सुधा शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला के बाद भारत माता सीएलएफ को राष्ट्रीय स्तर की इमर्शन साईट बनाया जाएगा जिससे अलग-अलग राज्यों से और एनएमएमयू से अधिकारियों व अन्य सीएलएफ को प्रशिक्षित किया जायेगा। कार्यशाला में राजीविका अलवर से रेखा रानी व्यास जिला परियोजना प्रबंधक, देवेन्द्र शर्मा क्षेत्रीय प्रबंधक, जिला प्रबंधक रमेश मीना, अन्वेशा प्रधान, तमा मित्रा, सौरभ शर्मा, हिमांशु शर्मा, सुधा शर्मा सहित ब्लॉक एवं सीएलएफ के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन अविनाश प्रकाश द्वारा किया जाएगा।

रक्तदान शिविर में उत्साह, युवाओं ने बढ़-चढ कर लिया भाग

संजीवनी टुडे

अलवर। डॉ. गोपाल रॉय चोधरी ट्रस्ट की ओर से नेक कमाई फाउंडेशन के सहयोग से माखनलाल बलड बैंक में रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ कर भाग लिया। शिविर में 51 यूनिट रक्तदान हुआ। शिविर में पहला रक्तदान तारेश जोरवाल के नेतृत्व में युवा निखिल मीणा ने किया। इस कार्यक्रम की शुरूआत आईएमए के अध्यक्ष डा. एस. सी. मितल, नेक कमाई फाउंडेशन के संरक्षक दौलत राम हजरती, मत्स्य लघु उद्योग संघ के सचिव अजय आनंद गोयल, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष मधुर अग्रवाल, डॉ.गोपाल रॉय चौधरी ट्रस्ट की मुखय ट्रस्टी मंजू चौधरी अग्रवाल, दैनिक भास्कर के प्रवीण खेतावत, गिरीश गुप्ता और तारेश जोरवाल ने द्वीप प्रज्वलित करके किया।

अलवर में रक्तदान के प्रति सकारात्मक माहौल

शिविर के उद्घाटन अवसर पर डा. एस. सी. मितल ने कहा कि अलवर जिले में रक्तदान के प्रति लोगों में उत्साह है। प्रदेश के कई जिलों से अलवर की बेहतर स्थिति है। अलवर में जन्म दिन हो या किसी का स्मृति दिवस, ऐसे दिनों में रक्तदान शिविर आयोजित करना अपने आप में अनुकरणीय है। अलवर का खून अन्य पड़ोसी जिलों के लोगों की भी जान बचाता है। रक्तदान के प्रति अब लोगों में जागरुकता आई है। कार्यक्रम में रक्तदान करने वालों को पौधें वितरित किए गए और उन्हें, डोनर कार्ड, सम्मान पत्र दिए। कार्यक्रम में नेक कमाई फाउंडेशन का सहयोग रहा। यह शिविर शाम तक चला जिसमें रक्तदाताओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गई थी। शिविर में इक्विटस बैंक बैंक के सेल्स मैनेजर नवीन गुप्ता ने टीम के साथ रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़ चढक़र हिस्सा लिया और साथ ही प्रण लिया कि हम हर तीन माह के बाद रक्तदान भी करेंगे। मंच संचालन तारेश जोरवाल ने किया।

पंचायत समिति की बैठक में अधिकारी नहीं आने पर नेता प्रतिपक्ष जूली ने जताई नाराजगी, बैठक का किया बहिष्कार

संजीवनी टुडे

अलवर। ग्रामीण विधायक एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने उमरैण पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि लगातार दूसरी बार अधिकारियों की अनुपस्थिति की पुनरावृत्ति हुई है। उन्होंने बैठक का बहिष्कार करते हुए अनुपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ खंड विकास अधिकारी सुशीला यादव को निंदा प्रस्ताव और नोटिस देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक प्रशासनिक अधिकारी साधारण सभा की बैठक में शामिल नहीं होंगे तो समस्याओं के समाधान की दिशा में आखिर कैसे कार्य हो पाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को अगली बैठक में उपस्थित होने तथा जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समय रहते कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को भी प्रतिनिधियों के स्थान पर स्वयं उपस्थित होने की नसीहत दी। इधर मालाखेड़ा पंचायत समिति में भी साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया गया। यहां भी कोरम के अभाव में बैठक को निरस्त कर दिया गया, जिसको लेकर जूली ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए बैठक स्थल पर उपखंड अधिकारी देवी सिंह और खंड विकास अधिकारी परिवीक्षाधीन सोनू कुमारी को साथ लेकर जनसुनवाई शुरू कर दी। जनसुनवाई में अधिकारियों को लोगों की समस्या का मौके पर ही निस्तारण करने के लिए निर्देश दिए गए। साधारण सभा की बैठक की जगह जूली की जनसुनवाई में लोगों के समस्याओं के मौके पर ही निस्तारण होने के बाद ग्रामीणों के चेहरे पर खुशियां लौट आई।

विकसित भारत निर्माण में उच्च शिक्षा में सुधार कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू फिर भी मत्स्य यूनिवर्सिटी को नहीं मिला लाभः जूली

संजीवनी टुडे

अलवर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मत्स्य यूनिवर्सिटी को आर्थिक और शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए सरकार कार्य करे। उन्होंने राज्यपाल कलराज मिश्र के अलवर आगमन पर बधाई देते हुए कहा कि अलवर की पवित्र धरा पर विश्वविद्यालय की स्थापना तो हो गई लेकिन विश्वविद्यालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की अभी दरकार है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समारोह कार्यक्रम में कई उत्कृष्ट अंक पाने वाले विद्यार्थियों की उपेक्षा की गई, दीक्षांत समारोह से पूर्व अपनी डिग्री हाथ में लेकर प्रतिभावान विद्यार्थी इधर-उधर भटकते नजर आए। उन्होंने उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत निर्माण में उच्च शिक्षा में सुधार कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू कर दी लेकिन उसका लाभ अलवर के मत्स्य यूनिवर्सिटी को नहीं मिल पा रहा है। शिक्षा का डंका बजाने का दम भरने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेता मत्स्य यूनिवर्सिटी के हालात सुधारने पर ध्यान दें। उन्होंने इस संदर्भ में राज्यपाल को पत्र लिखकर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक कर यूनिवर्सिटी के हालात सुधारने के लिए भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्तर भाषणों के माध्यम से नहीं सुधरेगा एक तरफ तो भाजपा के नेता शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए शिक्षा नीति लागू करने की बात कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर गहलोत सरकार के कार्यकाल में राजसेस के माध्यम से विद्यार्थियों की सुविधाओं के लिए खोले गए 100 कोलेजो को बंद करने की रणनीति बनाई जा रही है।

रिलायंस जियो को मिला अंतरराष्ट्रीय 'सीडीपी क्लाइमेट' अवार्ड

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड ने वर्ष 2022-23 के लिए प्रतिष्ठित 'सीडीपी क्लाइमेट' अवार्ड हासिल किया है। कार्बन डिसक्लोजर प्रोजेक्ट (सीडीपी) ने जियो को जलवायु परिवर्तन को थामने और कार्बन फुटप्रिंट कम करने के प्रयासों के लिए ए रेटिंग दी है। 2019 के बाद यह पहला मौका है जब जियो को यह सम्मान मिला है। भारतीय दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल को बी रेटिंग दी गई है। सीडीपी ए रेटिंग उन्हीं कंपनियों को देती है जो पर्यावरण के क्षेत्र में अग्रणी होती हैं। जियो के प्रवक्ता ने कहा, ह्लहमें गर्व है कि जलवायु परिवर्तन से जुड़ा दुनिया का सबसे बड़ा अवार्ड हम जीत पाए। कार्बन फुटप्रिंट कम करने में रिलायंस जियो की लीडरशिप के विजन और प्रतिबद्धता ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।ङ्घइसके अतिरिक्त, जियो को ''सीडीपी सप्लायर एंगेजमेंट'' में भी ए रेटिंग मिली है। सीडीपी ने बताया कि ए रेटिंग पाने वाली कंपनियां जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे जागरूक और पारदर्शी होती हैं। यह रेटिंग पर्यावरण मानकों पर आधारित होती है, जिससे कंपनियों के बीच तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

गोदरेज एंड बॉयस की भारत के ईवी सेक्टर की वृद्धि पर नज़र

संजीवनी टुडे

मुंबई। गोदरेज एंड बॉयस ने घोषणा की है कि उसने मोटर कंपोनेंट व्यवसाय से अगले तीन साल में अपनी आय को दोगुना कर 1000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें 50% आय भारत से और शेष आय निर्यात से आएगी। यह वृद्धि वाहन उद्योग के इलेक्ट्रिक वाहन को अपनाने की दिशा में बढ़ने के साथ-साथ उत्सर्जन नीतियों में विनियमन से प्रेरित है। भारत में ईवी की पैठ 2030 तक तेज़ी से बढ़ने का अनुमान है, जो तेज़ी से दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहन क्षेत्रों में इसके प्रसार से प्रेरित है और यह भारतीय ईवी बाज़ार के लिए 100 अरब डॉलर से अधिक की आय का अवसर प्रस्तुत करता है। गोदरेज एंड बॉयस, इलेक्ट्रिक वाहन को अधिक से अधिक अपनाने की ओर बढ़ रहे रुझान को समझ रही है। यह व्यवसाय, प्रेसिज़न इंजीनियरिंग और कल-पुर्ज़े के निर्माण में अपनी गहरी विशेषज्ञता के साथ, विभिन्न क्षेत्रों में ईवी ग्राहकों की उभरती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है। यह व्यवसाय, इलेक्ट्रिक वाहन के परितंत्र की ज़रूरतों को समझता है और रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, ऑफ-रोड वाहन तथा एक्चुएशन जैसे उद्योगों की सेवा करते हुए मोटर कंपोनेंट को डिज़ाइन करने और विकसित करने में सिद्ध विशेषज्ञता रखता है। गोदरेज एंड बॉयस के मोटर्स बिज़नेस के एग्ज़क्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट एवं बिज़नेस हेड, ज़ेरसिस मार्कर ने कहा, ''ऑटोमोटिव क्षेत्र वृद्धि दर्ज करने के लिए तैयार है और हम इस रुझान का लाभ उठाने तथा इस बाज़ार में अपने पैर जमाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार हैं। हमारे विशेषज्ञ तकनीकी इंजीनियरों के साथ-साथ सामान्य गुणवत्ता मानकों को पार करने की हमारी इन-हाउस क्षमता, हमें इस काम के लिए विशिष्ट रूप से तैयार करती है। यह उपलब्धि वैश्विक ऑटोमोटिव उद्योग की उभरती ज़रूरतों को पूरा करने वाले उच्च-गुणवत्ता तथा प्रेसिज़न-इंजीनियरिंग वाले कल-पुर्ज़े प्रदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। भारत में अनुमानित वृद्धि के अलावा, यूरोपीय बाज़ार में हमारी उपस्थिति भी हमें अपने ग्राहकों की संख्या बढ़ाने और अपने व्यवसाय के लिए नए अवसर पैदा करने में मदद करेगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई आयोजित

संजीवनी टुडे

अलवर। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर की अध्यक्षता में शुक्रवार को 21 जून को जिले में मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित हुई। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी में 'स्वयम्-और समाज के लिए योग' थीम पर प्रातः 7 से प्रातः 8 बजे तक आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्व में ही सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि जिला एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए विभागीय योग प्रशिक्षकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के योग प्रशिक्षकों का चयन करें एवं उनकी सूची उपलब्ध कराए। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि कार्यक्रम का प्रचार प्रसार फ्लैक्स व बैनर के जरिए कराकर आईईसी गतिविधियां आयोजित करावे ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग कार्यक्रम का हिस्सा बन सके। उन्होंने निर्देश दिये कि कार्यक्रम स्थल पर मेडिकल टीम व एम्बुलेंस की व्यवस्था करे। साथ ही इसी प्रकार की व्यवस्थाएं भी ब्लॉक स्तर पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यूआईटी के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि समयबद्ध रूप से स्टेज निर्माण, माईक व्यवस्था,एलईडीस्क्रीन, लाईट व्यवस्था, जरनेटर आदि व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर पानी व साफ-सफाई व्यवस्था, शौचालय, डस्टबीन, एवं अग्नि शमन वाहन व्यवस्था करावे। उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को यातायात व कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिये। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में विभागीय कार्मिकों को निर्देशित कर कार्यक्रम का ग्राम स्तर तक अधिकाधिक प्रचार प्रसार करावे। उन्होंने जिला परिषद के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि पंचायत समिति व ग्राम स्तर पर आयोजित होने वाले योग कार्यक्रम में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जावे। उन्होंने सीडीईओ को निर्देशित किया कि राजकीय व निजी विद्यालयों में योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करावे। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से कहा कि योग कार्यक्रम के लिए योग प्रशिक्षकों की व्यवस्था करावे व उनकी सूची उपलब्ध करावे। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री बजरंग सिंह, आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक हेमन्त कुमार सीठा, सहायक निदेशक उमादत शर्मा, सीडीईओ नेकीराम, सीएमएचओ डॉ, योगेन्द्र शर्मा, जिला खेल अधिकारी अंजना शर्मा, जिला कोषाधिकारी राजकुमार, नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक पंकज यादव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

10 सालो से जंजीरों में जकड़े दो सगे भाईयो को अब मिलेगा मुफ्त इलाज, एमडीएम जोधपुर में होगा इलाज

संजीवनी टुडे

धनाऊ। मानसिक विमंदित दिव्यांग जनों को उच्च चिकित्सा संस्थानों में बेहतर इलाज मुहैया करवाने के लिए संस्थान एवं समाजसेवी आगे बढ़कर सेवाएं दे रहे हैं। सरहदी भीलों का हाथला गांव में बीते 10 साल से जंजीरो में जकडे मानसिक विक्षिप्त दो भाईयों को उनके इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने समाजसेवियों के सहयोग से 108 एम्बुलेंस से रवाना किया गया। फागलिया पंचायत समिति के बड़ा हाथला गांव के निवासी दो सगे भाई मंगलाराम एवं रमेश कुमार के दिमागी हालत ठीक नहीं होने तथा गरीबी के हालातों में इलाज नहीं ले पाने के कारण उनके परिजनों ने जंजीरों से बांध लिया था। पिछले 10 सालों से पाशविक जीवन जी रहे इन दोनों भाइयों के लिए ईश्वर बनकर आई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को जांच एवं प्राथमिक चिकित्सा के बाद उन्हें मौके से ही 108 एम्बुलेंस के द्वारा बाड़मेर रेफर किया। बाड़मेर जिला कलेक्टर के आदेशानुसार स्थानीय सरपंच प्रतिनिधि छगनलाल परिहार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाखासर के सीएचसी प्रभारी छगनलाल गहलोत ने मानसिक दिव्यांगो के घर पहुंचकर उन्हें जिला अस्पताल पहुचाने का सराहनीय कार्य किया। इस दौरान पीएचसी साता की 108 एंबुलेंस के पायलट दिनेश विश्नोई, ईएमटी जगदीश बोस एवं स्थानीय ग्रामीण जनों की मदद से जिला अस्पताल बाड़मेर पहुंचाया। अब इन दोनों भाइयों को उच्च संस्थान में इलाज के लिए एमडीएम जोधपुर पहुंचाया जायेगा।

अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफ़ेयर फाउंडेशन द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के अंतर्गत विश्व रक्तदान दिवस का आयोजन किया

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। नगर के निकटवर्ती स्थित अल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट लिमिटेड के अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफ़ेयर फाउंडेशन द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के अंतर्गत विश्व रक्तदान दिवस का आयोजन ऑक्यूपेशनल हेल्थ सेण्टर एवं राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यायल सिरोही के सहयोग से अल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट लिमिटेड परिसर में आयोजन किया गया। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के उत्तर क्लस्टर के प्रमुख शैलेंद्र कुमार गुप्ता एवं अल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट लिमिटेड के इकाई प्रमुख चन्द्र पाल चौहान द्वारा कान्वी महिला मण्डल की अध्यक्षा स्नेहा चौहान की उपस्थिति में रक्तदान दिवस का शुभारम्भ किया गया। अथितियो द्वारा अपने उधबोधन में रक्तदान के महत्व एवं लाभों को विस्तार से बताया एवं ज्यादा से ज्यादा संख्या में रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। डॉक्टर चौधरी ने बताया कि रक्तदान से हार्ट अटेक का खतरा 88% तक घटता है। इम्युनिटी सुधरती है,रक्त का गाढ़ापन काम होता है इससे दिल को फायदा होता है। अल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट लिमिटेड द्वारा रक्तदान पहल हेतु आभार व्यक्त किया। संस्था में रक्तदान दिवस पर 64 व्यक्तियों द्वारा रक्तदान के लिए अपना पंजीयन उपस्थित किया गयाम् जिसमे से 56 व्यक्तियों को रक्तदान करने से पूर्व विभिन्न मापदण्डो के आधार पर चिन्हित किया गया। राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय सिरोही के ब्लड बैंक प्रभारी विजय चौधरी एवं उन के सहयोगियों द्वारा रक्तदान दिवस पर अपनी सेवाए प्रदान की एवं 56 यूनिट रक्त संरहण किया गया।अल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट लिमिटेड अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों में हमेशा तत्पर रहती है।

विश्वविद्यालय संविधान उद्यान का लोकार्पण किया: राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर का चतुर्थ दीक्षांत समारोह आयोजित

संजीवनी टुडे

राज्यपाल ने कहा संविधान सर्वोच्च, अधिकारों के साथ कर्तव्य पालन के लिए युवा प्रतिबद्ध रहें

अलवर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति के आलोक में इस तरह के पाठ्यक्रम निर्मित हों जिनसे युवा स्वरोजगार के लिए ही प्रेरित नहीं हों बल्कि उनकी दृष्टि व्यापक हों। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक विश्वविद्यालय में संविधान पार्क की स्थापना की गयी है। इसका उद्देश्य यही रहा है कि उच्च शिक्षा के साथ-साथ युवा संविधान की संस्कृति से प्रत्यक्ष जुड़ सके। मिश्र शुक्रवार को राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर के चतुर्थ दीक्षांत समारोह और वहां निर्मित संविधान उद्यान के लोकार्पण में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संविधान सर्वोच्च है। भारतीय संविधान मानवीय अधिकारों और कर्तव्यों का वैश्विक दस्तावेज है। उन्होंने नई पीढ़ी को संविधान प्रदत्त कर्तव्यों की पालना के लिए प्रतिबद्ध रहते हुए राष्ट्र निर्माण में भूमिका सुनिश्चित करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के शिक्षा दर्शन को स्मरण करते हुए कहा कि हमारे यहां व्यष्टि की बजाय समष्टि पर जोर है। शिक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जो समय और देश की परिस्थितियों के अनुकूल हो। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी केवल अपने लिए नहीं प्राप्त शिक्षा का संपूर्ण समाज के हित के लिए उपयोग करे। उन्होंने अलवर के इतिहास और पौराणिक संदर्भों के आलोक में विश्वविद्यालय द्वारा शोध और अनुसंधान की नई राहों का निर्माण किए जाने, विश्वविद्यालय में भर्तृहरि शोध पीठ स्थापित करने और स्थानीय भाषा, साहित्य, संस्कृति और जीवन के संदर्भों में भारतीय संस्कृति की समृद्धता के लिए कार्य करने पर भी जोर दिया। मिश्र ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य और अभ्यास मनुष्य-निर्माण ही होता है। विश्वविद्यालय ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करें जिनसे युवा भारत के सुनहरे भविष्य के लिए कार्य कर सके। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय परीक्षा वर्ष 2023 के अंतर्गत 39 स्वर्ण पदकों में से 28 स्वर्ण पदक एवं 6 रजत पदकों में से 5 रजत पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त किए जाने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि इस विश्वविद्यालय में श्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन में बेटियां अग्रणी हैं। उन्होंने बालिका शिक्षा को

बढ़ावा देने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर दिए जाने का आह्वान किया। उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर विश्वविद्यालय छात्रा टीना शर्मा द्वारा जूड़ो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने और अन्य चार छात्राओं के 'खेलो इंडिया' में चयन पर छात्राओं की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने समारोह में मेडल एवं डिग्रियां प्राप्त करने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महाराजा भर्तृहरि की तपोभूमि अलवर की संस्कृति का अपना विशेष महत्व रखती है। यहां इस विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2012 में की गई थी और अब इस विश्वविद्यालय में करीब सवा लाख विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह विश्वविद्यालय अपना विशिष्ट स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण के उद्देश्य के लिए उच्च शिक्षा एवं प्रेक्षक एवं परिमार्जन में सुधार हेतु नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है जिससे युवा समर्थ, सक्षम व आत्म निर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा विकसित भारत का संकल्प लिया गया है जिसे हम सभी को मिलकर राष्ट्रनिर्माण में इसे पूरा करना है, तभी सबका साथ, सबका विश्वास और सबका प्रयास सफल होगा। उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन काल से शिक्षा का केंद्र रहा है तथा विश्व में प्राचीन भारत में भी शिक्षा के क्षेत्रा में वर्चस्व रहा है उस समय तक्षशिला व नालंदा जैसे बौद्धकालिन विश्वविद्यालय थे जहां विश्व भर के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते थे। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने महाराजा भर्तृहरि की तपोभूमि पर अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस दीक्षान्त समारोह में जिस प्रकार बेटियां अव्वल रही है वह समाज में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। अब हमारी बेटियां शिक्षा के माध्यम से आगे बढकर अपने व माता-पिता के सपने साकार कर रही है तथा राज्य सरकार द्वारा नित नवाचार कर आने वाले समय में बेटियों को आगे बढाने के सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समारोह में प्रदान की गई डिग्रिया, मेडल प्राप्त करने में बेटियां सबसे अधिक यह गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के पदभार ग्रहण करने पर प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं राजभवन में संविधान बनाए गए है वह अनुकरणीय है। उन्होंने राजऋषि मत्स्य भर्तृहरि विश्वविद्यालय में संविधान पार्क का लोकार्पण करने पर साधुवाद दिया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र, उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा सहित अन्य अतिथियों ने राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय के परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। राज्यपाल मिश्र ने संविधान पार्क का अवलोकन कर कहा कि संविधान पार्क से विद्यार्थी आकादमिक शिक्षा के साथ संविधानिक मूल्यों को भी आत्मसात कर सकेंगे। राज्यपाल एवं कुलाधिपति मिश्र ने संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई तथा मूल कर्तव्यों का वाचन कराकर कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों के साथ मूल कर्तव्यों को आत्मसात कर राष्ट्र के विकास एवं उन्नति में अपना योगदान देना चाहिए। राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शील सिंधू पाण्डे ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में कला संकाय के वर्ष 2021 के 1888, वर्ष 2022 के 2026, वर्ष 2023 के 2032 स्नातक, स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों एवं डॉक्टर ऑफिलॉसफी के 21 शोधार्थियों, विज्ञान संकाय के वर्ष 2021 के 6812, वर्ष 2022 के 6454, वर्ष 2023 के 5462 स्नातक, स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों एवं डॉक्टर ऑफिलॉसफी के 14 शोधार्थियों, सामाजिक विज्ञान संकाय के वर्ष 2021 के 22751, वर्ष 2022 के 27471, वर्ष 2023 के 26879 स्नातक, स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों एवं डॉक्टर ऑफिलॉसफी के 57 शोधार्थियों, शिक्षा संकाय के वर्ष 2021 के 6831, वर्ष 2022 के 7689, वर्ष 2023 के 8094 स्नातक, स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों, विधि संकाय के वर्ष 2021 के 639, वर्ष 2022 के 439, वर्ष 2023 के 48 स्नातक, स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों एवं डॉक्टर ऑफिलॉसफी के 6 शोधार्थियों को उपाधि प्रदान कर विभूषित किया गया। उन्होंने बताया कि राज्यपाल द्वारा कला संकाय के 15, सामाजिक विज्ञान संकाय के 22, विज्ञान संकाय के 7, वाणिज्य संकाय के 2 व विधि संकाय के 2 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की एवं शैक्षणिक परीक्षा 2021 में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 26 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 2 विद्यार्थियों को रजत पदक प्रदान किए गए। वर्ष 2022 का कुलाधिपति पदक अफसाना बानो एम.ए उर्दू को प्रदान किया गया एवं शैक्षणिक परीक्षा 2022 के 29 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 6 विद्यार्थियों को रजत पदक प्रदान किया गया तथा शैक्षणिक परीक्षा 2023 के कुल कुलाधिपति पदक पूजा चौधरी को एम.ए ड्राईंग पेंटिंग के लिए प्रदान किया गया तथा शैक्षणिक परीक्षा वर्ष 2023 में 34 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 5 विद्यार्थियों को रजत पदक प्रदान किए गए।

खबरें फटाफट

वन एवं पर्यावरण मंत्री ने की जनसुनवाई : आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित निराकरण हेतु दिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश

संजीवनी टुडे

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शुक्रवार को अलवर में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये। मंत्री शर्मा ने अपने निवास 201, रघुमार्ग पर पेयजल, विद्युत, सडक आदि से संबंधित परिवेदनाएं लेकर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर कहा कि आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निराकरण कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष से परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक परिवेदना के निस्तारण की सूचना फरियादियों को दी जाए। यदि परिवेदना का निराकरण उनके स्तर पर संभव नहीं है तो उसकी पूरी जानकारी फरियादी को दी जाए। फरियादियों ने सहज भाव से मंत्री द्वारा परिवेदनाओं को सुनने एवं संबंधित अधिकारियों को तुरन्त निर्देशित करने पर संतुष्टि जाहिर की। इस दौरान बडी संख्या में फरियादी एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सुरेर ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल में उपखंड अधिकारी ने सुनी ग्रामीणों की समस्या

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। सुरेर स्थित राजीव गांधी सेवा केंद्र में गुरुवार को रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। उपखंड अधिकारी सीमा खेतान की मौजूदगी में आयोजित रात्रि चौपाल में बिजली और पानी के मुद्दे प्रमुखता से छाए रहे। रात्रि चौपाल में सुरेर के देवड़ी का बास में आजादी के 76 वर्ष बाद भी 200 लोगों का बास सड़क मार्ग से नहीं जुड़ पाया इसके लिए बडी संख्या में लोगों सड़क मार्ग बनाने को लेकर ज्ञापन सौंपा। उपखंड अधिकारी ने रात्रि चौपाल में आए पीड़ित लोगों की समस्याएं सुनी। जलदाय विभाग के सहायक अभियंता नवीन कुमार शर्मा ने समस्या समाधान के लिए ग्रामीणों से ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रस्ताव बनाने की बात कही। इस दौरान उपखंड अधिकारी ने बिजली एवं पानी की समस्या से पीड़ित ग्रामीणों को समस्या के शीघ्र निस्तारण के लिए समस्याओं को विभागीय प्रतिनिधियों को सौंपा। इस अवसर तहसीलदार विनोद कुमार शर्मा, विकास अधिकारी ललित मेहरा सहित अनेक विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पांच ट्रैक्टर में भरी 25 टन अवैध बजरी जब्त

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। पारसोली थाना पुलिस ने अवैध बजरी का परिवहन करने पर 5 ट्रैक्टर मय ट्रॉली सहित 25 टन बजरी जब्त की है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि अवैध खनन की रोकथाम को लेकर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने संबंधी प्रदत्त निर्देशो के अनुसरण में एएसपी रावतभाटा भगवतसिंह हिंगण व डीएसपी बेगूं अंजली सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को एसएचओ पारसोली प्रेमसिंह उनि के नेतृत्व में एएसआई भवानी सिंह, गोविंद सिंह, कानि. लक्ष्मण, मुकेश व हरीकिशन की विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा अवैध बजरी का परिवहन करते हुए पांच ट्रैक्टर मय ट्रोली के करीब 25 टन बजरी को जब्त किया जाकर अग्रिम कार्यवाही हेतु खनन विभाग को सूचित किया गया।

जिला न्यायाधीश ने किया जिला कारागृह में 'सीड बॉल्स' प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

संजीवनी टुडे

राजसमंद। जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्री राघवेन्द्र काछवाल ने जिला कारागृह में सीड बॉल्स प्रशिक्षण का उद्घाटन कर कारागृह में निरुद्ध बंदियों तथा उपस्थित जिला कारागृह कार्मिकों को सीड बॉल्स के महत्व बताते हुए बंदियों को सीड बॉल्स बनाने व इसके प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बंदियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और इस कार्य के प्रति उत्साहित हुए। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती गीता पाठक ने बताया कि सीड बॉल्स कारागृह में निरुद्ध बंदियों द्वारा तैयार करवाई जायेगी।

जिला कलक्टर ने अमलोदा में की रात्रि चौपाल, ग्रामीणों ने खुलकर रखी अपनी बात,अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने तल्लीनता के साथ सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

संजीवनी टुडे

सलूंबर। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने गुरुवार रात को अमलोदा में रात्रि चौपाल की। अमलोदा में खुले आसमान के नीचे ग्रामीणों ने खुलकर अपनी बात रखी। इस दौरान जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने आम जन की समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता और अपनत्व के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से पेयजल, विद्युत, राजस्व, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अनेक समस्याओं की सुनवाई कर संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए । शुरुआत में कृषि विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को फव्वारा पद्धति से सिंचाई, ड्रिप सिस्टम सहित कृषि की नवीन तकनीकों और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। राजीविका की ओर से महिलाओं को स्वरोजगार के बारे में जागरूक किया गया। चिकित्सा सहित अन्य विभागों के अधिकारियों ने राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने व योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की गई और मनरेगा और पंचायत समिति की योजनाओं के बारे में ग्रामीणों से फीडबैक लिया। जिला कलेक्टर ने ग्रामीणों से पूछा-आपके गांव में चिकित्सा विभाग का सब सेंटर टाइम पर खुलता है या नहीं! एएनएम मिलती हैं? इस पर सभी ग्रामीणों ने हामी भरते हुए कहा कि हां समय पर खुलता है और एएनएम भी टाइम पर आती हैं। जिला कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चों की संख्या खिलौने हैं या नहीं। आशा सहयोगिनी की ईसीटी किट की ट्रेनिंग आदि के बारे में जानकारी लेते हुए गर्भवती महिलाओं का समय पर वजन लेने, आवश्यक टीके और दवाएं देने और नियमित मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारी व आमजन अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। उन्होंने कहा कि हम अपने जीवन में प्रकृति को कुछ वापस लौटा सकते हैं तो वह है वृक्षारोपण । रात्री चौपाल के दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं आमजन से कहा कि प्रत्येक व्यक्ती अपने आस-पास के लोगों को वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि हमें इस अभियान को एक जन आंदोलन बनाना होगा। आयुक्त गणपत लाल खटीक,एसडीएम पर्वत सिंह चुंडावत, तहसीलदार डॉ मयूर शर्मा, हेमन्त पंडिया एक्सईएन डबल्यूआरडी, परिवहन अधिकारी सुरेन्द्र सिंह गुलिया, सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग हेमन्त खटीक, डीओआईटी जीवन राम मीणा, गोस मोहमद कृषि विभाग,पशु पालन विभाग डॉ हरिकेश मीणा, पीआरओ पुष्पक मीणा,सहित विभिन्न जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री का 2 दिवसीय राजसमंद दौरा आज से

संजीवनी टुडे

राजसमंद।शिक्षा मंत्री मदन दिलावर दो दिवसीय राजसमंद के दौरे पर रहेंगे। शिक्षा मंत्री शुक्रवार देर रात राजसमंद पहुंचेंगे। रात्रि विश्राम के बाद 15 जून को सुबह 11 बजे पिपलांत्री में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण सम्मेलन में शामिल होंगे। इसके बाद वे दोपहर 2 बजे भीलवाड़ा रोड स्थित नोबल पब्लिक स्कूल में मेधावी छात्र-छात्राओं के प्रतिभा सम्मान समारोह में भाग लेंगे। स्कूल शिक्षा परिवार द्वारा अभिनंदन समारोह, अमृत पर्यावरण समारोह के तहत एक पेड़ देश के नाम विषय पर परिचर्चा करेंगे। इस दौरान स्कूल के बच्चे सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहेगा। इसके बाद शाम 4.30 बजे पिपलांत्री गांव में विद्यालय कक्ष का शिलान्यास करेंगे। पर्यावरण संरक्षण जल संचयन एवं आदर्श ग्राम पंचायत भवन में ग्रामीणों के साथ अमृत पर्यावरण महोत्सव पर संवाद करेंगे। कार्यक्रम समाप्ति के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पिपलांत्री में ही रात्रि विश्राम करेंगे और 16 जून रविवार को सुबह 8 बजे पाली के लिए प्रस्थान करेंगे।

डोडाचूरा तस्करी में सात साल से फरार पांच हजार रुपये का ईनामी बदमाश गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। वर्ष 2017 में कोतवाली निम्बाहेडा ने जलिया चैक पोस्ट पर नाकाबंदी के दौरान एक कार से जब्त 163 किलोग्राम डोडाचुरा के दर्ज मामले मे फरार चल रहे पांच हजार रूपये के ईनामी वांछित आरोपी को कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने गिरफतार किया हैं। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि सात वर्ष पूर्व कोतवाली निम्बाहेडा थाना पुलिस ने जलिया चैक पोस्ट पर नाकाबंदी के दौरान एक टोयेटो इनोवा कार में भरा हुआ 163 किलोग्राम डोडाचुरा का जप्त मौके से जोधपुर जिले के दो आरोपियों को गिरफतार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भिजवाया था। इसी प्रकरण मे आरोपी मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के आरड़ी थाना नाहरगढ निवासी विनोद पुत्र कालुसिंह सौंधिया वांछित चल रहा है, जिसकी तलाश कर गिरफतार करने के पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा पांच हजार रूपये का ईनाम घोषित किया। आरोपी की तलाश व गिरफ्तारी हेतु एडिशनल एसपी परबत सिंह व डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्री लाल राव के निर्देशन में थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहेडा रामसुमेर पु.नि., थानाधिकारी सदर निम्बाहेडा संजय शर्मा पु.नि. द्वारा एक विशेष टीम एएसआई सूरज कुमार, लेखराज, कानिटेबल देवेन्द्र, विरेन्द्र, राकेश, सुरेन्द्र पाल, रतन व मुकेश व जगदीश की टीम का गठन किया गया। आरोपी विनोद सिंह सौंधिया के अपने गावं आरड़ी मे बालाजी के मंदिर के प्रोग्राम में शामिल होने की सूचना मिलने पर एएसआई सूरज कुमार मय टीम के सूचना अनुसार बालाजी के मंदिर गांव आरड़ी पहुचे। जहा विनोद सौंधिया पुलिस को बावर्दी देख गांव आरड़ी की तरफ भागने लगा। जिसे पुलिस ने घेरा देकर पकडा व थाना कोतवाली निम्बाहेडा के एनडीपीएस के प्रकरण मे वांछित होने से डिटेन कर गिरफतार किया गया । उक्त टीम द्वारा आसूचना संकलन की गई व मौतबिरान से लगातार सम्पर्क किया गया तथा आरोपी के संदिग्ध ठिकानो की लगातार रैकी की जाकर आरोपी को डिटेन कर गिरफतार किया गया। आरोपी अपनी गिरफतारी से बचने के लिये काफि दिनो से मोबाईल का प्रयोग नही कर रहा था । उक्त आरोपी की गिरफ्तारी में पुलिस थाना नारायणगढ़ के हेड कांस्टेबल शिवलाल पाटीदार का सहयोग रहा।

श्री घांची समाज रोई परगना के तत्वाधान में चार धाम यात्रा के उपलक्ष में महाप्रसादी का किया आयोजन

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। नगर के निकटवर्ती स्थित झांखर ग्राम में श्री घांची समाज रोई परगना के तत्वाधान में 16 दिवसीय चार धाम बस यात्रा का आयोजन किया गयाम्जानकारी के अनुसार पिण्डवाडा नगर के सरोवर तट पर स्थित श्री गोगाजी खेतलाजी मंदिर प्रांगण से 27 मई 2024 को चारधाम बस यात्रा का शुभारंभ हुआम् चार धाम बस यात्रा 27 मई 2024 से लेकर 11 जून 2024 को सफलतापूर्वक यात्रा पूर्ण करके श्री द्वारकाधीश मंदिर प्रांगण में बस यात्रा का समापन किया गयाम् इस चार धाम बस यात्रा के सफल आयोजन के उपलक्ष में शुक्रवार को झांखर ग्राम में स्थित श्री नागणेची माता मंदिर घांची समाज की धर्मशाला में महाप्रसादी का आयोजन किया गयाम्शुक्रवार को प्रातः पिंण्डवाड़ा नगर में स्थित श्री द्वारकाधीश मंदिर प्रांगण में महाआरती एवं महाभोग का आयोजन भी किया गयाम्इसके बाद श्री घांची समाज रोई परगना ट्रस्ट के द्वारा चारधाम बस यात्रा के श्रद्धालुओं का भगवा दुपट्टा एवं माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गयाम्इसी दरमियान श्री घांची समाज रोई परगना के समाज बंधुओ ने डीजे का आनंद लिया साथ ही महाप्रसादी का भी लाभ लिया।

इस अवसर पर इनकी रही मौजूदगी

इस अवसर श्री घांची समाज रोई परगना ट्रस्ट के अध्यक्ष भीमाराम राठौड़,उपाध्यक्ष रमेश भाटिया,नारायण लाल परमार, शिवलाल गहलोत, समरथमल भाटी भैराराम भाटी,रमेश देवड़ा, सांकलाराम राठौड़,नथमल सोलंकी, हंसा राम परमार,रमेश नांदिया, सुरेश गहलोत, छगन बोराणा, देवाराम राठौड़ सहित कई समाज बंधु उपस्थित रहे।

अतिक्रमण से परेशान पीड़ित ने एसडीएम को सोपा ज्ञापन

संजीवनी टुडे

मावली।मावली नगरपालिका के उदयपुर रोड पर स्थित एक दुकान निर्माण कार्य हो रहा है।जिसके पास वर्षो पुराना देवताओं और पूर्वजों का मंदिर है जिसके रास्ते को लेकर उठे विवाद से परेशान पीड़ित काजोड़ भील अपने परिवार के लोगो के साथ एसपी कार्यालय पेश हुआ।जिसके बाद 14 जून को मावली एसडीएम मनसुख राम डामोर के नाम उप तहसीलदार को ज्ञापन दिया और दुकान मालिक के अतिक्रमण से मुक्त करने की मांग की। जानकारी के अनुसार काजोड भील के अनुसार यह प्लॉट सामालती खाते में से हम दोनो भाई कोजोड़ भील और मांगीलाल भील ने आधा आधा हिस्सा लिया।इन दोनो प्लॉट के पीछे एक पुराना देवताओं और पूर्वजों का मंदिर है।जिस पर वह और उसका परिवार सालो से सेवा कर रहे है।दोनो भाईयो ने अपने प्लॉट बेच दिए।जिसमे मांगीलाल भील ने अपना हिस्सा दलाल मार्फत विकास विजयवर्गीय को बेचा।काजोड़ भील और उसके भाई मांगीलाल भी ने स्वेच्छा से 2-2 फिट दोनो प्लॉट के बीच में एक रास्ता मंदिर में जाने के लिए दिया। काजोड़ भील का कहना है की प्लॉट बेचने वक्त देवस्थान के रास्ते पर कोई भी प्लॉट मालिक गेट,खिड़की नही लगाएगा।जिस पर काजोड़ भील दक्षिण दिशा का प्लॉट मुकेश जाट को बेचा।जिसे बेचा उसने कोई गेट और खिड़की नही रखी।वही रास्ते के उत्तर दिशा मे स्थित प्लॉट मांगीलाल भील ने विकास विजयवर्गीय को बेचा जो की अपनी दुकान निर्माण कार्य मे मंदिर के लगी लोहे की फाटक को तोड़ रास्ते पर पक्का निर्माण कर अपने प्लॉट पर गेट और खिड़की लगा दी।जिसका प्लॉट मालिक का भाई काजोड़ भील ने जब विरोध किया तो दुकान मालिक विकास विजयवर्गीय का भाई मनीष विजयवर्गीय की एक पार्षद है मावली नगरपालिका में मौके पर आया और काजोड़ भील को धमकाया और कहा की तेंरे करना हो जो करले और जातिगत गालियां दी और कहा की में तो गेट रखूंगा और रास्ते का उपयोग भी करूंगा।अतिक्रमण से परेशान पीड़ित काजोड़ भील कुछ दिन पूर्व एसपी कार्यालय उदयपुर पेश हुआ। जिसके बाद शुक्रवार को एसडीएम को ज्ञापन देकर इस अतिक्रमण से मुक्त करने की मांग की।इस दौरान काजोड़ भील के साथ उसका पुत्र रमेश भील और मृतक मांगीलाल का बेटा हीरालाल मौजूद थे।

रेवा सिंचाई परियोजना का लाभ राजस्थान में मिलने की उम्मीद जगी, शिवराज सिंह चौहान ने की थी शुरू

संजीवनी टुडे

कोटा।रामगंजमंडी। मध्यप्रदेश के भानपुरा तहसील के गांवों में हरित क्रांति का आगाज करवाने वाली रेवा सिंचाई परियोजना से अब मध्यप्रदेश सरहद से जुड़े रामगंजमंडी क्षेत्र के गांवों की असिंचित जमीन में रेवा सिंचाई परियोजना का लाभ मिलने की उम्मीद जगी है। राजस्थान व मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकारें बनने से इस उम्मीद को ज्यादा बल मिला है। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान दो विधानसभा चुनाव से इस सिंचाई परियोजना का पानी रामगंजमंडी तक पहुंचाने का वादा कर चुके हैं। वर्ष 2018 में विधानसभा चुनाव में भाजपा से चुनाव लड़ने वाले मदन दिलावर के समर्थन में आयोजित सभा में शिवराजसिंह चौहान ने रेवा सिंचाई परियोजना का पानी रामगंजमंडी तक पहुंचाने की घोषणा मंच से की थी। हालांकि इस चुनाव में दोनों प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो इसका लाभ मिलने में संशय बन गया था। कोरोना काल में मध्यप्रदेश में कांग्रेस के विधायकों द्वारा दल बदल करके भाजपा के समर्थन में आने व दल बदल करने वाले विधायकों के चुनाव जितने पर भाजपा की सरकार बनी तो किसानों का प्रतिनिधिमंडल भानपुरा विधायक, मंदसौर सांसद से मिला ओर उन्हें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का वादा भी याद दिलाते हुए सिंचाई परियोजना का पानी रामगंजमंडी तक पहुंचाने की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल निरंतर सम्पर्क में रहने के बाद भी किसी तरह की कार्ययोजना नहीं बनी ओर वादा चुनावी होकर रह गया। भाजपा सरकार का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। वर्ष 2023 में फिर विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा ओर भाजपा प्रत्याशी मदन दिलावर को भाजपा ने फिर चुनाव में यहां से उतारा तो उनकी आमसभा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दुबारा रामगंजमंडी आए थे। चौहान को कार्यकर्ताओं ने जब चेचट की सभा में पांच साल पहले रेवा सिंचाई परियोजना का पानी देने का वादा याद दिलाया तो खुले मंच से उन्होंने इसका जिक्र करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने राजस्थान सरकार को इस मामले में नहर की डिस्ट्रीब्यूशन लाइन डालने के लिए पत्र लिखा था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसमें रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने फिर वादा किया था कि राजस्थान व मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी तो यह गतिरोध दूर होगा। रामगंजमंडी को सिंचाई के लिए रेवा का पानी मिलेगा। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गांधीसागर बांध से रेवा सिंचाई परियोजना प्रारंभ की थी। योजना का पानी अभी मध्यप्रदेश की सरहद में आने वाले गांवों तक नहरीतंत्र के माध्यम से पहुंच रहा है। भानपुरा तहसील क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा इस योजना से लाभान्वित है। अब भानपुरा तहसील के जो काश्तकार नहरी तंत्र से पूर्व बरसात की एक फसल पर आश्रित रहते थे वह खेतों के निकट से नहर निकलने पर आर्थिक संपन्नता की श्रेणी में आना प्रारंभ होने लगे हैं। राजस्थान व मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकारें बन चुकी है तो मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान केंद्र सरकार में कृषि मंत्री बन चुके हैं। राजस्थान सरकार में भी रामगंजमंडी से निर्वाचित विधायक शिक्षा एवं पंचायत मंत्री है। ऐसे में रेवा सिंचाई परियोजना के सभी अवरोधक दूर हो जाने से योजना के पानी का लाभ मिलने की किसानों को उम्मीद जगी हैं। किसानों की यह आस कब पूरी होती है। अब यह देखने वाली बात है। मध्यप्रदेश की सीमा से लगे हुए रामगंजमंडी तहसील के दर्जनों गांवों में रहने वाले किसान परिवारों की असिंचित जमीनें दोनों प्रदेश की सीमा से लगी हुई है। लेकिन उन्हें इस सिंचाई योजना का लाभ नहीं मिल रहा।

प्रतिशत पाना केरियर नहीं, एसा काम करें कि जिससे अपने आप को सन्तुष्टि मिले: जिला कलेक्टर

संजीवनी टुडे

भूपालसागर। उपखण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कांकरवा में मोड़ सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभाकक्ष में आयोजित रात्री चौपाल में जिला कलेक्टर कि अध्यक्षता, विधायक अर्जुन लाल जीनगर के मुख्य आतिथ्य में जनसुनवाई कि गई। इस दौरान अतिरीक्त जिला कलेक्टर भू अभिलेख सुरेन्द्र पुरोहित, मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश कुमार मंडोवरा, एवीवीएनएल अधीक्षण अभियंता एस के सिंह, सीएमएचओ डॉ. ताराचंद गुप्ता, संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार दिनेश कुमार जागा, उपनिदेशक उद्यान शंकर लाल जाट, समाज कल्याण अधिकारी आशिन शर्मा, जिला उद्योग केंद्र जिला प्रबंधक राहुल देव सिंह, उपखण्ड अधिकारी पुनित गैलड़ा, कार्यवाहक तहसीलदार राजकुमार ढुड़ाड़ा, विकास अधिकारी नवीन गौड़, सरपंच ललिता कुंवर, भाजपा मण्डल अध्यक्ष ओमप्रकाश मेनारीया, भाजपा नेता गोवर्धन सिंह चौहान, पंचायत समिति सदस्य सुरेशचन्द्र गाडरी, कर्नल सिंह चौहान आसदि कई जनप्रतिनिधी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। रात्रि चौपाल में पंचायत के लोग अपनी समस्याओं लेकर आये विधायक जीनगर एवं जिला कलक्टर ने एक-एक कर ग्रामीणों को अपने समक्ष बैठाकर उनके अभाव अभियोग सुने और उनके निराकरण के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित किया। रात्रि चौपाल में पानी, बिजली, सड़क, खाद्य सुरक्षा, पेंशन, पीएम आवास, सामाजिक न्याय की योजनाओं, कार्यों की गुणवत्ता सहित सरकारी विभागों से संबंधित 92 से अधिक प्रकरणों में आमजन की विभिन्न समस्याओं का निराकरण करते हुए अधिकारियों को जल्द समाधान करने के लिए निर्देशित किया। चौपाल में ग्रामीणों से बातचीत करते हुए जिला कलेक्टर ने मनरेगा, स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र आदि की वस्तु स्थिति की जानकारी ली, और किसी प्रकार की समस्या को लेकर स्थानीय अधिकारियों के माध्यम से सूचित करने को कहा। इस दौरान जिला कलक्टर ने विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति लाने, गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, निर्बाध बिजली सप्लाई करने, मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय करने सहित आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को संवेदनशीलता और सकारात्मक कार्य करने के निर्देश भी दिए। रात्रि चौपाल में जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की ग्रामीणों को जानकारी दी गई साथ ही उनसे लाभान्वित होने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विद्यार्थियों की करियर काउंसलिंग भी की।

प्रतिशत पाना केरियर नहीं, एसा काम करें कि जिससे अपने आप को सन्तुष्टि मिले।

इस अवसर पर जिला कलक्टर ने दसवी और बाहरवी में 90 या उससे अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को मोमेन्टो एवं प्रशास्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके केरियर के बारे में संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाएं जानी एवं विद्यार्थियों के सवालों के जवाब देकर शांत की। जिला कलक्टर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में छोटे-छोटे कदम चलते हुए आप अपना मुकाम हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कक्षा की उपलब्धि जीवन की उपलब्धि नहीं है। नंबर ज्यादा लाने वाले लगातार मेहनत करें, वहीं नंबर कम लाने वाले भी मेहनत करके बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने आप पर विश्वास रखें। मेहनत करने वालों की किस्मत हमेशा साथ देती है। लाइफ में खुद से प्रतिस्पर्धा करें, ना कि दूसरों से। अपनी स्किल डेवलपमेंट पर ध्यान दें। करियर को लेकर अभी बहुत ज्यादा स्ट्रेस ना ले। काम कोई भी हो उसमें संतुष्टि ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। जिला कलक्टर ने विद्यार्थियों को उनके बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी।

खातेदारी में सड़क का मुद्दा विधायक कि समझाईश से सुलह

कांकरवा के किर खेड़ा में सडक बनाने कि जमीन लागों कि खतेदारी में होने से जिला कलेक्टर एवं विधायक ने लोगरों से समझाईश करते हुए कहा कि जहां से लोग आते जाते रहे है रास्ता वो ही होगा। विधायक ने भी लोगों को आश्वस्त करते हुए सड़क बनाने कि बात कही। चौपाल से पूर्व जिला कलक्टर ने भूपालसागर तहसील कार्यालय और पुलिस थाने का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पत्रावलियों का अवलोकन कर फाइलों का शीघ्र निस्तारण करने, ई - फाइल पर कार्य करने, कार्यालय में साफ सफाई व सामान्य व्यवस्था सुचारू रखने सहित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

ऑनलाइन क्लासों के आने लगे हैं दुष्प्रभाव सामने

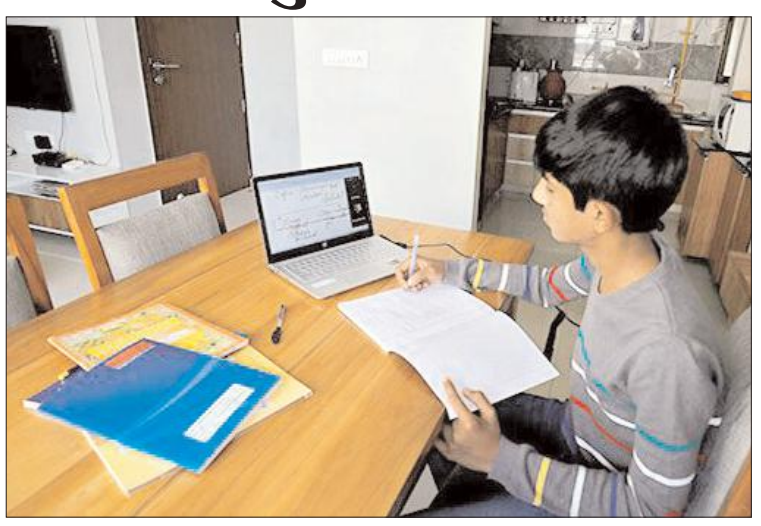

दुनिया भर में लॉकडाउन के चलते सभी स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। भारत के स्कूलों में मार्च में परीक्षाएं हो जाती हैं और अप्रैल में फिर ने नयी कक्षाएं शुरू हो जाती हैं। लेकिन स्कूल बंद होने के कारण इस बार बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाई है। इस समस्या का खासकर प्राइवेट स्कूलों ने डिजिटल माध्यम से बच्चों को शिक्षा देने का उपाय निकाला। जिसमें ऑनलाइन क्लासेस वाट्सएप ग्रुप बना कर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। लेकिन इन माध्यमों में जो पठन सामग्री बनाई गयी है या भेजी जा रही है वो बच्चों को ध्यान में रखते हुये नहीं बनाई गयी है। ज्यादातर स्कूल पुराने अपलोडेड वीडियो जगह-जगह से उठाकर बच्चों को शेयर कर रहे हैं। सामग्री पाठ्यक्रम अनुरूप न होने के कारण इसे समझने में बच्चों को परेशानी हो रही है। वैसे तो देश के कई स्कूल ऑनलाइन पढ़ाई करवा रहे हैं। लेकिन तमाम स्कूल ऐसे भी हैं जो सुविधा सम्पन्न नहीं है, ऐसे में वो ऑनलाइन पढ़ाई करवा पाने में असमर्थ हैं। वैसे भी ऑनलाइन पढ़ाई के लिए बच्चों के पास भी तो मोबाइल और लैपटॉप की व्यवस्था होनी जरूरी है। जब भारत में केवल 24 फीसदी घरों तक ही इंटरनेट की उपलब्धता है तो ऑनलाइन शिक्षा की सार्थकता पर स्वयं सवाल उठ जाते हैं। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षा से वंचित छात्रों के अभिवावकों का चिंतित होना स्वाभाविक है। असल में स्कूल प्रबंधन चाह रहा है कि लॉकडाउन के दौरान बच्चे शिक्षा से विमुख न हों। वो नयी क्लास के हिसाब से अपना पाठयक्रम पढ़ें। ऑनलाइन पढ़ाई में कई व्यवाहारिक दिक्कतें भी हैं, लेकिन लॉकडाउन में जब स्कूल खोलना खतरे से खाली नहीं है, ऐसे में ऑनलाइन क्लास ही बड़ा सहारा है। ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान घर में बच्चों को स्क्रीन पर घंटों बैठना पड़ रहा है। बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्यादातर प्राइवेट स्कूलों का शिक्षा माध्यम अंग्रेजी है जिसे स्वयं से समझना इन बच्चों के लिए बहुत मुश्किल है। दूसरी बड़ी चुनौती इन बच्चों के ऑनलाइन क्लासेस के लिए आवश्यक संशाधनों का न होना है। ऑनलाइन क्लासेस के लिए एंड्रयाड फोन/कम्प्यूटर/टैबलेट, ब्राडबैंड कनेक्शन, प्रिंटर आदि की जरूरत होती है। ज्यादातर ग्रामीण बच्चों के परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं होती उसके चलते उनके पास डिजिटल क्लासेस के लिए आवश्यक उपकरण नहीं होते हैं जिसके कारण ये क्लास नहीं कर पा रहे जबकि इस समय इन बच्चों के क्लास के अन्य साथी ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं। गिनने लायक परिवार ही ऐसे होगें जिनके पास ये उपकरण उपलब्ध होंगे।

लोकल सर्कल नाम की एक गैर सरकारी संस्था ने एक सर्वे किया है जिसमें 203 ज़िलों के 23 हज़ार लोगों ने हिस्सा लिया। जिनमें से 43% लोगों ने कहा कि बच्चों की ऑनलाइन क्लासेस के लिए उनके पास कम्प्यूटर, टैबलेट, प्रिंटर, राउटर जैसी चीज़ें नहीं है। ग्लोबल अध्ययन से पता चलता है कि केवल 24% भारतीयों के पास स्मार्टफोन है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण रिपोर्ट 17-18 के अनुसार 11% परिवारों के पास डेस्कटॉप कंप्यूटर/ लैपटॉप/नोटबुक/ नेटबुक/ पामटॉप्स या टैबलेट हैं। इस सर्वे के अनुसार केवल 24% भारतीय घरों में इंटरनेट की सुविधा है, जिसमें शहरी घरों में इसका प्रतिशत 42 और ग्रामीण घरों में केवल 15% ही इंटरनेट सेवाओं की पहुँच है। इंटरनेट की उपयोगिता भी राज्य दर राज्य अलग होती है जैसे दिल्ली, केरल, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों में 40% से अधिक घरों में इंटरनेट का उपयोग होता है वहीं बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में यह अनुपात 20% से कम है। स्कूलों द्वारा डिजिटल पढ़ाई के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाये जा रहे हैं और उसमें स्कूल रिकॉर्ड में बच्चों के दिए गए नंबरों को जोड़ा जा रहा है लेकिन इन बच्चों के पास फ़ोन ही नहीं है, रिकॉर्ड में जो नम्बर होते हैं वो परिवार के किसी बड़े के होते हैं क्योंकि इन बच्चों के अपने फ़ोन तो होते नहीं हैं बल्कि कई बार ये भी होता है कि पूरे घर के लिए एक फ़ोन होता है और जिसका सबसे ज्यादा उपयोग परिवार का मुखिया करता है, या फोन में वाट्सएप ही नहीं है तो बच्चे कैसे पढ़ पायेंगे। एक दिक्कत नेटवर्क की भी सामने आ रही है। लॉकडाउन के कारण अभी इंटरनेट का उपयोग बहुत हो रहा है, जिसके चलते स्पीड कम हो गयी है, इन बच्चों के परिवार के पास नेट प्लान भी कम राशि का होता है, जिससे नेट में बार-बार रुकावट आती है, पठन सामग्री डाउनलोड होने में ज्यादा समय ले रही है, क्वालिटी भी खराब होती है जिससे उसे पढ़ना और समझना बच्चों के लिए मुश्किल होता है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

संत शिरोमणि कबीर सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक थे

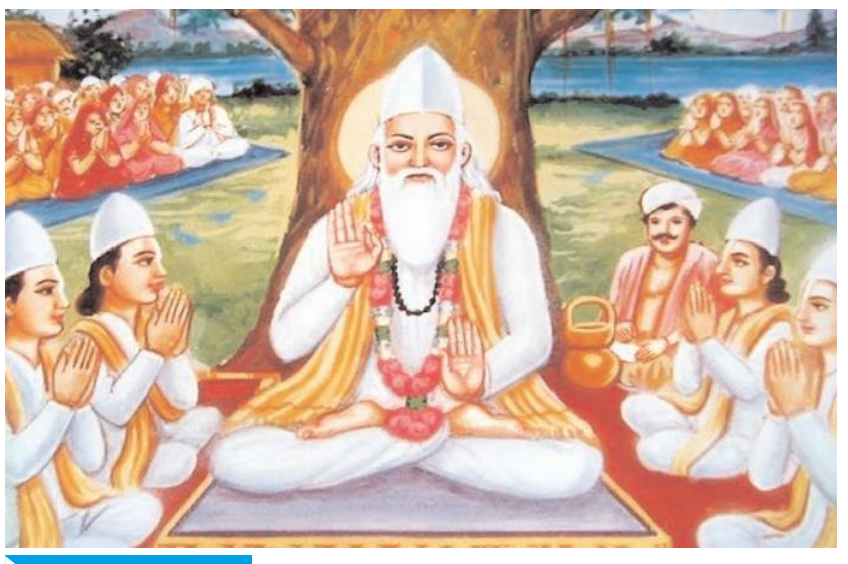

विचार बिन्दु

कबीर ने धरती और धरती के लोगों की धड़कन को सुना। धड़कनों के अर्थ और भाव को समझा। इन धड़कनों को वे जितना आत्मसात करते चले, उतना ही उनका जीवन ज्ञान एवं संतता का ग्रंथ बनता गया। यह जीवन ग्रंथ शब्दों और अक्षरों का जमावड़ा मात्र नहीं, बल्कि इसमें उन सच्चाइयों एवं जीवन के नए अर्थों-आयामों का समावेश है, जो जीवन को शांत, सुखी एवं उन्नत बनाने के साथ-साथ जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं। उनके अनुभवों और विचारों ने एक नई दृष्टि प्रदान की। इस नई दृष्टि को एक नए मनुष्य का, एक नए जगत का, एक नए युग का सूत्रपात कहा जा सकता है।

ललित गर्ग

संत कबीर भारतीय संत परम्परा के महान्हस्ताक्षर, समाज-सुधारक है। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ, जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अधंकारमय था। एक तरफ मुसलमान शासकों की धर्मांधता से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी और दूसरी तरफ हिंदूओं के कर्मकांडों, विधानों एवं पाखंडों से धर्म-बल का ह्रास हो रहा था। ऐसे समय में कबीर एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। वे अध्यात्म की सुदृढ़ परम्परा के संवाहक थे। कबीर ने सगुण-साकार भक्ति पर जोर दिया है, जिसमें निर्गुण निहित है। हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो -सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि उनमें थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना कबीर के विश्व मानव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक है। उन्होंने मन, चेतना, दंड, भय, सुख और मुक्ति जैसे सूक्ष्म विषयों पर भी किसी गंभीर मनोवैज्ञानिक की तरह विचार किया था और व्यक्ति को अध्यात्म की एकाकी यात्रा का मार्ग सुझाया था। कबीर ने लोगों को एक नई राह दिखाई। घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है।

संत कबीर जन्म लहरतारा के पास जेठ पूर्णिमा को हुआ था। उनके पिता नीरू नाम के जुलाहे थे। वे किसी भी सम्प्रदाय और रूढियों की परवाह किये बिना खरी बात करते थे। 119 वर्ष की आयु में उन्होने मगहर में अपना देह त्यागा। कुछ लोगों का कहना है कि वे जन्म से मुसलमान थे और युवा अवस्था में स्वामी रामानंद के प्रभाव से उन्होंने हिन्दू धर्म की विशेषताओं को स्वीकारा। कबीर ने हिन्दु, मुसलमान का भेद मिटाकर हिन्दू भक्तों तथा मुसलमान फकीरों के साथ सत्संग किया और दोनों की अच्छी बातों को आत्मसात किया। उनके जीवन में कुरान और वेद ऐसे एकाकार हो गये कि कोई भेदरेखा भी नहीं रही। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे पर उनकी बोली बातों को उनके अनुयायियों ने लिपिबद्ध किया जो लगभग ८० ग्रंथों के रूप में उपलब्ध है। कबीर ने भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश दिया है। उनके प्रेरक एवं जीवन निर्माणकारी उपदेश उनकी साखी, रमैनी, बीजक, बावन अक्षरी, उलट बासी में देखे जा सकते हैं।

महात्मा कबीर ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। कबीर शब्दों का महासागर है, ज्ञान का सूरज है। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है।

संत शिरोमणि कबीर सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक थे, साम्प्रदायिक सद्भावना एवं सौहार्द को बल दिया। उनको हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही संप्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। दोनों संप्रदाय के लोग उनके अनुयायी थे। यही कारण था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हिन्दू कहते थे कि उनका अंतिम संस्कार हिन्दू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। किंतु इसी छीना-झपटी में जब उनके शव पर से चादर हट गई, तब लोगों ने वहाँ फूलों का ढेर पड़ा देखा। यह कबीरजी की ओर से दिया गया बड़ा ही चमत्कारी और सशक्त संदेश था कि इंसान को फूलों की तरह होना चाहिए- सभी धर्मों के लिए एक जैसा भाव रखने वाले, सभी को स्वीकार्य। बाद में वहाँ से आधे फूल हिन्दुओं ने ले लिए और आधे मुसलमानों ने तथा अपनी-अपनी रीति से उनका अंतिम संस्कार किया। अध्यात्म के महासूर्य कबीर ने कहा है, 'बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय। जो मन खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।' इस दोहे में कबीर ने बताया है कि व्यर्थ में हम किसी दूसरे में दोष क्यों ढूंढ़ने लगते हैं? हमें अपने अंदर झांक कर देखना चाहिए कि कहीं मुझमें कोई गलती तो नहीं। हमारी सबसे बड़ी गलतफहमी हमारी यह सोच होती है कि हम ही सही हैं, हमसे कभी भूल नहीं हो सकती। दरअसल, यह हमारा अहं है, जो हमें इस तरह सोचने पर मजबूर करता है। अपनी गलतियों के कारण ही हम दूसरों में दोष खोजते हैं।

कबीर ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में कबीर ने भी धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए कबीर ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना कबीर के काल में, कबीर के ही हाथों हुई। शायद तभी कबीर कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्त्रष्टा कहलाए। 'मसि-कागद' छुए बगैर ही वह सब कह गए जो श्रीकृष्ण ने कहा, नानक ने कहा, ईसा मसीह ने कहा और मुहम्मद साहब ने कहा। आश्चर्य की बात, अपने साक्ष्यों के प्रसार हेतु कबीर सारी उम्र किसी शास्त्र या पुराण के मोहताज नहीं रहे। न तो किसी शास्त्र विशेष पर उनका भरोसा रहा और ना ही उन्होंने जीवन भर स्वयं को किसी शास्त्र में बाँधा। कबीर ने समाज की दुखती रग को पहचान लिया था। वे जान गए थे कि हमारे सारे धर्म और मूल्य पुराने हो गए हैं। नई समस्याएँ नए समाधान चाहती हैं। नए प्रश्न, नए उत्तर चाहते हैं। नए उत्तर, पुरानेपन से छुटकारा पाकर ही मिलेंगे।

कबीर ने धरती और धरती के लोगों की धड़कन को सुना। धड़कनों के अर्थ और भाव को समझा। इन धड़कनों को वे जितना आत्मसात करते चले, उतना ही उनका जीवन ज्ञान एवं संतता का ग्रंथ बनता गया। यह जीवन ग्रंथ शब्दों और अक्षरों का जमावड़ा मात्र नहीं, बल्कि इसमें उन सच्चाइयों एवं जीवन के नए अर्थों-आयामों का समावेश है, जो जीवन को शांत, सुखी एवं उन्नत बनाने के साथ-साथ जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं। उनके अनुभवों और विचारों ने एक नई दृष्टि प्रदान की। इस नई दृष्टि को एक नए मनुष्य का, एक नए जगत का, एक नए युग का सूत्रपात कहा जा सकता है। कबीर भारत की उज्ज्वल गौरवमयी संत परंपरा में सर्वाधिक समर्पित एवं विनम्र संत हैं। वे गुरुओं के गुरु थे, उनका फकडपन और पुरुषार्थ, विनय और विवेक, साधना और संतता, समन्वय और सहअस्तित्व की विलक्षण विशेषताएं युग-युगों तक मानवता को प्रेरित करती रहेगी।

धार्मिक स्थलों की यात्रा करना पसंद है तो ओडिशा आना बिलकुल

जगन्नाथ पुरी के अलावा भी ओडिशा में अन्य देवी- देवताओं का वास हैं। ओडिशा को धार्मिक पुरी भी कह सकते हैं क्योंकि यहां बसता है भारत का धार्मिक इतिहास। ओडिशा में आये फोनी तूफान ने ओडिशा के कई तटीय जिलों को तबाह कर दिया, इस तूफान में ज्यादा जान-माल की हानि नहीं हुई क्योंकि मौसम विभाग की सर्तकता से एनडीआरएफ और आर्मी ने पहले ही ये जगह खाली करवा दी थी। इतने बड़े तूफान से ओडिशा अपने दम पर निपटा, क्योंकि आप ये भी कह सकते हैं कि ओडिशा के सिर पर जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) का हाथ है। इसीलिए हर कठिनाई से ओडिशा खुद लड़कर बाहर आ जाता हैं। जगन्नाथ पुरी के अलावा भी ओडिशा में अन्य देवी- देवताओं का वास हैं। ओडिशा को धार्मिक पुरी भी कह सकते हैं क्योंकि यहां बसता है भारत का धार्मिक इतिहास। अगर आप ओडिशा घूमने के लिए जाते हैं तो समुद्र के अलावा आप इन प्राचीन मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं।

लिंगराज मंदिर भगवान हरिहर को समर्पित एक हिन्दू मंदिर है। जो भगवान शिव और विष्णु का ही एक रूप हैं। यह मंदिर पूर्वी भारतीय राज्य ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में स्थित है यह सबसे बड़ा मंदिर हैं और साथ ही भारत के सबसे प्राचीनतम मंदिरों में से एक है। भुवनेश्वर शहर की यह सबसे मुख्य और आकर्षक जगह है और साथ ही ओडिशा राज्य घुमने आए लोगो के आकर्षण का यह मुख्य केंद्र है।

विश्व प्रसिद्ध कोणार्क में स्थित सूर्य मंदिर भारतीय राज्य ओडिशा के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यहां की लोगों की मान्यता के अनुसार कोणार्क में स्थित है यह मंदिर ह्लपर्यटन के सुनहरे त्रिभुजङ्क के तीन बिंदुओं में से एक है। इस त्रिभुज के दो अन्य बिंदु हैं- मंदिरों का शहर भुवनेश्वर और पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर। पुरी में स्थित गुंदिचा घर मंदिर यहां के महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक कहा जाता हैं। गुंडिचा मंदिर एक हिंदू मंदिर है, जो ओडिशा पुरी के मंदिर भूमि में स्थित है। यह पुरी की प्रसिद्ध वार्षिक रथ यात्रा का गंतव्य है। यात्रा से पहले यह साल भर खाली रहता है, मंदिर में जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की सात पूर्ण दिनों (कुल 9 दिनों सहित कुल रथयात्रा के शुरू होने और समापन दिवस) के दौरान प्रतिवर्ष वार्षिक उत्सव के दौरान देवताओं की छवियों पर कब्जा किया जाता है। भगवान की गतिविधियों में विश्वास रखने वाले कहते हैं कि भगवान विष्णु जब चारों धामों पर बसे अपने धामों की यात्रा पर जाते हैं तो हिमालय की ऊंची चोटियों पर बने अपने धाम बद्रीनाथ में स्नान करते हैं।

15 जून की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1901	पहली बार गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।
1999	थाबो मबेकी दक्षिण अफ़्रीका के राष्ट्रपति निर्वाचित।
2001	जांच आयोग ने दीपेन्द्र को ही शाही परिवार का हत्यारा बताया।
2004	पंचशील सिद्धान्त की 50वीं वर्षगांठ पर बीजिंग में अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार।
2005	माइकल जैक्सन बच्चों के साथ यौन दुर्व्यवहार से जुड़े दस मामलों में बरी।
2007	चीन के गोवी रेगिस्तान में पक्षीनुमा विशाल डायनसोर के जीवाश्म मिले।
2008	केन्द्र सरकार ने अलग गोरखालैंण्ड राज्य के निर्माण की सम्भावना को ख़ारिज किया। राजस्थान के बाँसवाड़ा ज़िले में 96 मीट्रिक टन की सोने की ख़ान का पता चला। चीन के उत्तरी प्रान्त शांग्झी में एक कोयला खादान में विस्फोट में 27 लोग घायल हुए। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र ने नारायणहिती महल ख़ाली किया।

जन्मे व्यक्ति

1595	गुरु हरगोविंद सिंह - सिक्खों के छठे गुरु
1905	हीराबाई बरोदकर - भारतीय शास्त्रीय संगीतकार।
1960	शेखर सुमन - हिन्दी फ़िल्म अभिनेता एवं दूरदर्शन कलाकार हैं।
1955	किरण खेर - हिन्दी और बाँग्ला चलचित्र अभिनेत्री।

पाकिस्तानपरस्ती और सुन्नीवाद की पोषक कांग्रेस!

विचार बिन्दु

डॉ अजय खेमरिया

मौजूदा कांग्रेस नेतृत्व एक तरफ संविधान और गांधी की शपथ उठाती है दूसरी तरफ लीगी वैचारिकी को अपनी चुनावी नीति में खुलेआम शामिल करती है।

क्लब हाउस बातचीत में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का पाकिस्तानी पत्रकार से यह कहना कि "कांग्रेस अनुच्छेद 370 पर पुनर्विचार कर सकती है"मीडिया की सुर्ख़ियों और भाजपा की प्रतिक्रिया के नजरिये से देखा जाएगा तो महज एक न्यूज आइटम की खोखली महत्ता के साथ कल तक खत्म हो जाएगा।सवाल इस सुर्खी से बड़ा है और वह यह कि क्या कांग्रेस की इस वैचारिकी को देश इसी हल्की प्रतिक्रिया के साथ लेकर छोड़ दे?आखिर जिस राजनीतिक दल की नींव स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्लेटफार्म के रूप में रखी गई हो वह इस वैचारिक अधोगति को कैसे प्राप्त हो रहा है?भारत की संसदीय व्यवस्था के लिए भी यह एक अहम पक्ष है क्योंकि कांग्रेस ने 50 साल तक इस राष्ट्र की सत्ता का एक क्षत्र शासन चलाया है।इसलिए क्या यह मान लिया जाना ही चाहिये कि कांग्रेस केवल सत्ता और चुनाव का प्लेटफार्म बनकर रह गई है?जिस अनुच्छेद 370 के नासूर को भारत की सम्प्रभु संसद ने बड़े बहुमत से हटाया है उसे कांग्रेस क्यों सत्ता में आने पर बहाल कर देना चाहती है?सीधे से सवाल का सीधा सा जबाब केवल तुष्टीकरण की निकृष्ट चुनावी चाहत से अधिक कुछ नही हैं।यह भारत की संसदीय प्रणाली में अल्पसंख्यकवाद या सुन्नीवाद का एक आत्मघाती रोग है जिसे कांग्रेस केवल सत्ता के लिए पल्लवित और पोषित करती आई है।ताजा बयान न केवल भारतीय संविधान की सम्प्रभुता को चुनौती है बल्कि मुस्लिम वोटों के लिए कांग्रेस की सबसे ताकतवर नेता रही इंदिरा गांधी के मत का विरोध भी है जो इस अनुच्छेद को हटाने के स्वयं पक्ष में थीं।

बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर कांग्रेस सुन्नीवाद की घटिया राजनीति से देश के करोड़ों मुसलमानों पर पाकिस्तानी-लीगी और अलकायदा की पहचान क्यों अधिरोपित करना चाहती है?क्या चुनावी लोकतंत्र केवल अल्पसंख्यकवाद से जीवित रह सकता है?इस अल्पसंख्यकवाद को देश की जनता 2014 एवं 2019 के आम चुनावों में पहले ही खारिज कर चुकी है और नतीजों के नजरिये से इतिहास के कूड़ेदान में पहुँच चुकी यह सवा सौ साल पुरानी पार्टी इस तथ्य को समझना ही नही चाहती है।यही कारण है कि पाकिस्तान और लीगी परस्त बयानों पर कभी भी मौजूदा पार्टी नेतृत्व ने कभी प्रतिकार नही किया है।दिग्विजयसिंह अकेले ऐसे नेता नही है जो सुन्नीवाद को जिंदा रखने के चक्कर में भारत के विरुद्ध पाकिस्तान के पाले में जाकर खड़े हो जाते है।दस जनपथ के नवरत्नों में शुमार रहे पूर्व मंत्री औऱ आईएएस मणिशंकर अय्यर मोदी को हटाने के लिए पाकिस्तान में जाकर मदद मांगते है।लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी पुलवामा हमले की जांच की मांग सदन में खड़े होकर करते है।मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष संजय निरुपम ने सर्जिकल स्ट्राइक को फर्जीकल कहा था।प्रियंका गांधी के दुलारे नवजोत सिद्ध ने बालाकोट एयर स्ट्राइक का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि"आतंकी मारे गए है या वहां पेड़ गिरे है" 26/11के मुंबई आतंकी हमले पर दिग्विजयसिंह कह चुके है कि "मुंबई हमले में आरएसएस का हाथ है"।पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि बाटला हाउस एनकाउंटर के बाद सोनिया गांधी रात भर रोई थीं।पूर्व विदेश मंत्री शशि थरूर ने भी लाहौर लिटरेचर फ़ेस्टीवल में भारत विरोधी टिप्पणी की थीं।इन बयानों के आधार पर कहा जा सकता है कि कांग्रेस नेतृत्व ने पाकिस्तान परस्त नीति को आत्मसात कर लिया है और उसकी नजर केवल इस सबके माध्यम से अपने मुस्लिम खासकर सुन्नी वोटरों को एकीकृत करने की हैं।फिलहाल इस वोट बैंक के सामने दो खतरे है पहला तो भारतीय जनमानस में इस सुन्नीवाद के विरुद्ध सशक्त राजनीतिक माहौल निर्मित हुआ है।इसकी बानगी 2014 एवं 2019 के लोकसभा के नतीजे है।यानी बहुसंख्यकवाद खड़ा हो चुका है।दूसरा यूपी, बिहार, बंगाल ,असम, तेलंगाना, आंध्र, कर्नाटक से लेकर अन्य राज्यों में इस सुन्नी वोट बैंक पर क्षेत्रीय दलों का कब्जा हो गया है।इसलिए कांग्रेस ने नीतिगत रूप से यह तय कर लिया है कि सत्ता के लिए उसे हर कीमत पर सुन्नी मुसलमानों को खुश करना है।नीतिगत मामला इसलिए प्रतीत होता है क्योंकि पार्टी केरल में उसी मुस्लिम लीग के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है जो जिन्ना के द्विराष्ट्रवाद के अवशेष चिपकाकर चलती है।पार्टी के तब के अध्यक्ष राहुल गांधी को अमेठी के बाद 543 लोकसभा सीटों में से केवल वायनाड ही नजर आया जहां मुस्लिम लीग का प्रभाव हैं।असम में बदरुद्दीन अजमल के साथ पार्टी का गठबन्धन हो या बंगाल में पीरजादा के साथ चुनावी गलबहियां।

अस्थमा अटैक के पहले के लक्षणों को जानें

अस्थमा अटैक होने से पहले रोगी को सांस लेने में समस्या महसूस होने लगती है क्योंकि सांस लेने वाली जगह के आसपास की मांसपेशियां कठोर हो जाती हैं और एयरवे लाइनिंग में सूजन आ जाती है। अत्यधिक म्यूकस बनने के कारण सांस नली ब्लॉक हो जाती है।

अस्थमा अटैक से बचने के लिए जरूरी है कि रोगी को उसके पहले दिखायी और महसूस होने वाले संकेतों के बारे में पता हो? इव संकेतों के बारे में जानकारी आपको अस्थमा अटैक से बचाने में मददगार साबित हो सकती है। आइए जानें अस्थमा अटैक से पहले दिखने वाले लक्षणों के बारे में।

गले और ठोढ़ी में खुजली

अस्थमा की समस्या शुरु होने से पहले गले और ठोढ़ी में खुजली की समस्या हो सकती है। यह समस्या क्यों होती है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन ज्यादातर लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं जो कि ठीक नहीं है।

मूड में बदलाव

अचानक से रोगी के मूड में बदलाव देखने को मिलता है। बोलते-बोलते चुप हो जाना, तनाव और चिंताग्रस्त हो जाना भी अस्थमा अटैक का संकेत हो सकता है। अगर आपको या आपके आसपास किसी अस्थमा रोगी में यह लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज ना करें।

कफ

अस्थमा का मुख्य लक्षण है कफ की समस्या। जब यह समस्या पूरी रात आपको सताने लगे तो इसके पीछे कुछ खास वजह हो सकती है। हो सकता है कि यह साइनस या अन्य किसी वजह से हो लेकिन जब किसी अस्थमा रोगी को यह समस्या होती है तो इसे हल्के में ना लें।

सांसों में घरघराहट

अस्थमा रोगी को सांस लेने में समस्या होना सामान्य माना जाता है लेकिन जब सांस लेते वक्त घरघराहट की आवाज आने लगे तो इसे सामान्य ना समझें। यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

सांस लेने में समस्या

पॉश्चर बदलना

ठीक तरह से सांस लेने के प्रयास में रोगी आगे की तरफ झुकने लगाता है जिससे वो कूबड़नुमा आकार में आ जाता है। लेकिन सांस लेने में कठिनाई होने पर इस स्थिति में आना समस्या को और बढ़ा सकता है।

सीने में जलन

जब अस्थमा की समस्या बढ़ने वाली होती है तो रोगी को सीने में जलन या कुछ अन्य तरह की समस्या भी हो सकती है। अस्थमा ग्रस्त बच्चों में जब यह समस्या होती तो वो समझ नहीं पाते कि उन्हें क्या हो रहा है। ऐसे में उनके माता-पिता को ज्यादा सर्तक रहना चाहिए।

होठों और अंगुलियों में नीलापन

जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है तो होठों और अंगुलियों और होठों पर नीलापन दिखायी देने लगता है। इस स्थिति को केयानोसिस कहते हैं। यह स्थिति इशारा करती है कि रोगी को तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया जाए।

समय रहते दें ध्यान

घुटने का दर्द धीमी न कर दे चाल

लेकिन एक माह बाद ही उन्हें सीढ़ियां उतरते हुए सीधे पैर के घुटने में सामने के हिस्से में कुछ परेशानी महसूस होने लगी, पर उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। करीब एक सप्ताह गुजरने के बाद यह परेशानी हल्के दर्द में बदल गई। धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़ते हुए भी पैरों में दर्द होने लगा। डॉक्टर ने इसे घुटने के सामने वाले हिस्से का दर्द बताया, जिसे चिकित्सकीय भाषा में पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम/ एंटीरियर नी पेन या फिर कॉन्ड्रोमेलेसिया पटेला कहते हैं। डॉक्टर ने उन्हें कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने को कहा है। साथ ही सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से बचने की सलाह दी है। दर्द दोबारा न हो, इसलिए मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाने की सलाह भी दी है।

दर्द का कारण

जांघ की हड्डी को फीमर, जोड़ की मुख्य बड़ी हड्डी को टिबिया और नी कैप को पटेला कहते हैं। जांघ की हड्डी और नी कैप से मिल कर जो जोड़ बनता है, उसे पेटेलोफीमोरल जॉइंट कहते हैं। लगभग 20 फीसदी मरीज पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम (पीएफपीएस) के शिकार होते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक होती है। यह दर्द नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच अधिक घर्षण होने के कारण होता है। इस वजह से पंजे की एड़ियों का पिछला हिस्सा, टखना, कूल्हे का ऊपरी हिस्सा, पेड़ू और पैरों के मध्य में दर्द बढ़ जाता है। नी कैप के जांघ की हड्डी से टकराने के कई कारण होते हैं। पीएफपीएस के अधिक होने का मुख्य कारण पैर की मांसपेशियों का प्रभावित होना है। ये मांसपेशियां एक तरह से हमारे शरीर का इंजन रूम होती हैं, जिनकी सक्रियता के कारण ही हमारी सक्रियता बनी रहती है। चलने से लेकर दौड़ने जैसी हर गतिविधि इन्हीं मांसपेशियों के कारण होती है। जब ये मांसपेशियां ढंग से काम नहीं करतीं तो घुटनों पर दबाव पड़ने लगता है। जांघ के बाहरी और सामने वाले हिस्से की मांसपेशियों पर काफी वजन पड़ता है, जिससे कई बार ये मांसपेशियां चोटिल हो जाती हैं व उनमें खिंचाव आ जाता है। उनका लचीलापन भी कम होने लगता है। मांसपेशियों में अकड़न बढ़ने से दर्द बढ़ने लगता है और मांसपेशियों की कार्यकुशलता कम होने लगती है। घुटने के जोड़ में दर्द भी होता है। आमतौर पर जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों की तुलना में बाहरी मांसपेशियां अधिक कड़ी हो जाती हैं। इस असंतुलन के कारण नी कैप बाहर की ओर उठने लगती है और चलते समय जांघ वाली हड्डी से टकराती है। इसी वजह से नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच सूजन और दर्द बढ़ जाता है।

उपचार का तरीका

फिजियोथेरेपिस्ट दर्द में आराम देने के लिए एक्यूप्रेशर या क्रॉस फ्रिक्शन मसाज तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें दर्द वाले हिस्से पर थोड़ा जोर देकर प्रेशर दिया जाता है। इसके अलावा मालिश से भी काफी आराम मिलता है। नियमित मालिश से मांसपेशियों की अकड़न वाले हिस्से में लचीलापन आ जाता है। कुछ आराम आने पर मांसपेशियों में मजबूती लाने के लिए स्ट्रेचिंग कराई जाती है। अपने डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट से आप घर में किए जाने वाले व्यायाम से राहत पा सकते हैं। आमतौर पर आराम आने में 12 से 16 सप्ताह का समय लग जाता है। घर में व्यायाम, डॉक्टर द्वारा की गयी सही जांच और फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अपनाई गयी विभिन्न तकनीक और मसाज कूल्हे और टखने के लचीलेपन को बढ़ा देते हैं। स्थायी निजात पाने के लिए नियमित व्यायाम करना ही सबसे बेहतर उपाय है। ऐसा करने पर घुटने के आसपास की सभी मांसपेशियां मजबूत हो जाती हैं।

युवाओं में घुटनों के दर्द के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सही जांच व उपचार में देरी का नतीजा होता है कि हल्का मांसपेशीय दर्द बढ़ कर घुटने, जांघ व कूल्हे की मूवमेंट पर असर डालने लगता है। तीस की उम्र के करीब की एक स्कूल टीचर हैं। घर और काम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हुई वह बेहद व्यस्त रहती हैं। वह जानती हैं कि सेहतमंद और फिट रहना उनके लिए कितना जरूरी है, बावजूद इसके व्यायाम के लिए समय निकालना उनके लिए मुश्किल होता है। व्यायाम की भरपाई के तौर पर उन्होंने कुछ समय पहले खुद को अधिक सक्रिय बनाए रखने का फैसला किया, जिसके चलते वह लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने लगीं और रिक्शा की जगह पैदल घर व बाजार जाने लगीं। वह तीसरी मंजिल पर रहती हैं। शुरुआत में सीढ़ियां चढ़ने में थकान होती थी, पर आदत हो जाने के बाद अब समस्या नहीं होती।

ये व्यायाम देंगे मांसपेशियों के दर्द से आराम

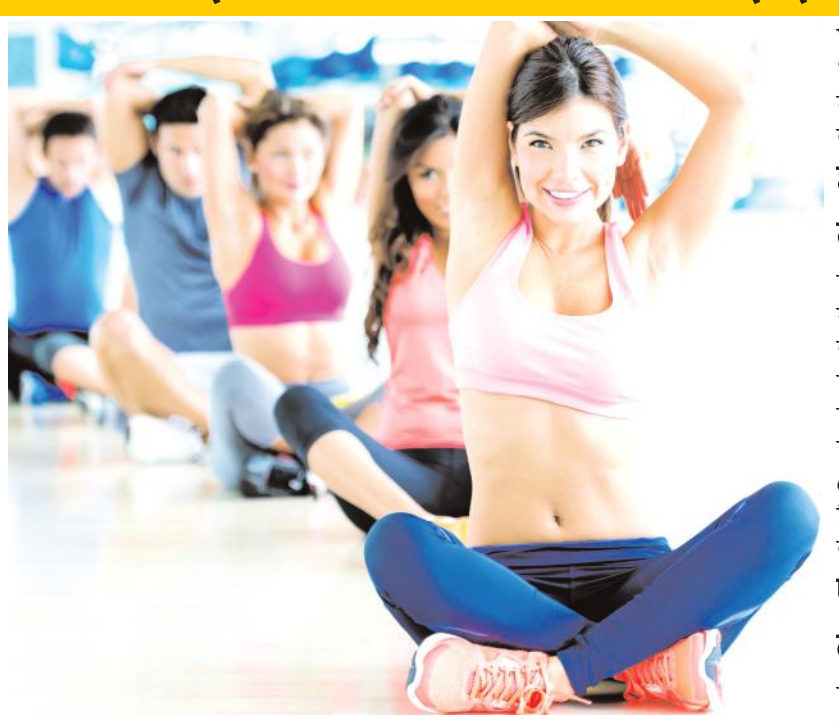

इलियोटिबियल बैंड को कूल्हे, जांघ और घुटने के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों का समूह समझा जा सकता है। इस हिस्से में होने वाले दर्द में राहत पाने के लिए फोम रोलिंग एक प्रभावी तरीका है। इसके लिए आपको एक ट्यूब की जरूरत होगी, जिसे फोम रोलर कहते हैं। यह आसानी से आपको किसी आसपास के स्पोर्ट्स स्टोर से मिल जाएगा। फोम रोलर पर इस तरह लेटें, जिससे आपके शरीर का पूरा वजन जांघ के बाहरी हिस्से पर रहे। जांघ के निचले हिस्से से शुरू कर रोलर को मूव करते हुए धीरे-धीरे ऊपरी हिस्से तक जाएं। हर पैर से ऐसा पांच मिनट तक करें। लगातार दर्द वाली जगह पर इस तरह रोल करना मांसपेशियों को आराम पहुंचाएगा।

जांघ की सामने वाली मांसपेशियां

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि रोलर आपके दोनों घुटनों यानी नी कैप से थोड़ा ऊपर रहे। धीरे-धीरे ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक लाएं। ऐसा 5 से 10 मिनट तक करें।

घुटने का लचीलापन बढ़ाएं

पेट के बल लेटें। पेट की मांसपेशियों को भीतर की ओर खींचें। एक घुटने को मोड़ते हुए पीछे की ओर ले जाएं और पैर से पंजे को पकड़ते हुए एड़ी को कूल्हे पर टिकाने का प्रयास करें। 30 से 60 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। फिर इसे दूसरे पैर से दोहराएं। ऐसा तीन बार करें।

फोम रोलिंग, बाहरी कूल्हे के लिए

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि ये आपकी कूल्हे की हड्डी के पास हो। थोड़ा आगे और पीछे धीरे-धीरे मूव करें। हर तरफ से पांच मिनट ऐसा करें। इससे कूल्हे व कमर दोनों की मांसपेशियां मजबूत बनेंगी। दर्द कम होगा।

सेहत का सतरंगी खजाना

अपने बोरिंग खाने में जरा रंग भरिए। गहरे रंग के फलों और सब्जियों, जैसे खुबानी, गाजर और लाल व पीली मिर्च और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों, अस्थमा के मरीजों के लिए लाभप्रद बीटा-कैरोटीन नाम का एक खास तत्व पाया जाता है। जिस सब्जी या फल का रंग जितना गहरा होगा उसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा उतनी अधिक होगी।

आपके लिए नहीं है विटामिन-ई

यूं तो विटामिन-ई काफी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अस्थमा मरीजों को इससे जरा दूर ही रहना चाहिए। यह खाना पकाने के लगभग सभी तेलों में मौजूद होता है, लेकिन इसका इस्तेमाल जरा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। सूरजमुखी के बीज, केल (एक प्रकार की गोभी), बादाम और अधिक साबुत अनाजों में विटामिन- ई की मात्रा कम होती है। इन आहारों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

विटामिन बी,बना है आपके लिए

ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-बी मौजूद हो, अस्थमा के मरीजों के भोजन का अहम हिस्सा होना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें, अस्थमा मरीजों को तनाव के जरिए होने वाले अटैक से बचाने में सहायक होती हैं। इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि विटामिन बी6 और नियासिन (विटामिन बी3, निकोटिन और विटामिन पीपी) की कमी से भी अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है।

प्याज- खांसी पर वार,गले से प्यार

प्याज चाहे लाल हो या हरा, यह अस्थमा मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्याज में मौजूद सल्फर तत्व अस्थमा के मरीजों को जलन से राहत दिलाते हैं। यह बात साबित हो चुकी है कि प्याज का सेवन सांस संबंधी तकलीफों से भी राहत दिलाने वाला होता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड- अस्थमा में दिलाए राहत

ओमेगा-3 फैटी एसिड फेफड़ों में होने वाली जलन और उत्तकों को होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह जानना बहुत जरूरी है लगातार जलन और खांसी से उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते नियमित अस्थमा अटैक आते रहते हैं। यह मुख्य रूप से सलमन, मैक्रेल और ऐसी मछलियों में पाया जाता है जिनमें ऑयल की मात्रा अधिक होती है।

मसालों को ना, सेहत को हां

मसाले गर्म होते हैं और अस्थमा मरीजों को इनसे दूर ही रहना चाहिए। मसाले खाने से, मुंह, गले और फेफड़ों की कोशिकाएं उतेजित हो जाती हैं, परिणामस्वरूप उनमें से साल्विया निकलने लगता है। साल्विया से बलगम पतला हो जाता है। तो, मसालेदार भोजन से दूर ही रहना चाहिए।

दुग्ध उत्पाद, सेहत के साथ स्वाद

वसायुक्त दूध, मक्खन और अन्य दुग्ध उत्पाद अस्थमा होने से रोकते हैं। वे बच्चे जो वसायुक्त दुग्ध उत्पादों का सेवन करते हैं उन्हें सांस में घरघराहट संबंधी तकलीफें भी होने की आशंका कम होती है।

कॉफी- मदद करती है काफी

अस्थमा अटैक होने पर कॉफी का सेवन बहुत मदद करता है। यह श्वसन प्रक्रिया को मदद पहुंचाता है। हालांकि कई डॉक्टर यह भी कहते हैं कि अगर आपके अटैक तनाव के कारण हो रहे हैं तो आपको कैफीन की अधिक मात्रा का सेवन नहीं करना चाहिए।

कैसा हो अस्थमा के मरीजों का आहार

अस्थमा को नियंत्रिण में रखने में भोजन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने आहार में समुचित बदलाव कर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की लिस्ट बहुत लंबी है जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसी कई चीजें हैं जिनसे एलर्जी और अस्थमा अटैक पड़ने का खतरा होता है। तो, आइए जानते हैं कि आपकी रसोई में ऐसे कौन से खाद्य पदार्थ हैं जो आपको अस्थमा से लड़ने में मददगार हो सकते हैं।

भारत-कनाडा में जंग आज, तीन मैचों में कोहली का स्कोर 1-4-0, बारिश की संभावना

एजेंसी ▸▸ लॉडरहिल

भारत टी20 विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप ए मैच में शनिवार को कनाडा से भिड़ेगा। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पिछले कुछ मैचों में कम स्कोर भारतीय टीम के लिए चिंता की बात होंगे। टीम को साथ ही उम्मीद होगी कि मुकाबले में बारिश का खलल नहीं पड़ेगा क्योंकि फ्लोरिडा के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। तीन मैच में तीन जीत के साथ भारत पहले ही सुपर आठ चरण में जगह बना चुका है जिसके सभी मुकाबले वेस्टइंडीज में होंगे।

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 700 से अधिक रन बनाने के बाद कोहली टी20 विश्व कप में आए थे लेकिन शुरुआती मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। वह अब अब तीन मैच में 1.66 के औसत से 5 (1, 4, 0) ही रन बना पाए हैं। उम्मीद है कि वह एक बार फिर आईसीसी प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करेंगे जो 13 साल बाद भारत के लिए एक और आईसीसी खिताब जीतने का उनका संभवतः आखिरी मौका है।

दक्षिण अफ्रीका की नजर चौथी जीत पर

किंग्सटाउन। तीन जीत के साथ सुपर आठ में पहले ही जगह बना चुका दक्षिण अफ्रीका आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में शनिवार को यहां नेपाल को हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगा। टूर्नामेंट में आठ विकेट के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे सफल गेंदबाज एनरिच नोर्किया बेहतरीन फॉर्म में हैं और नेपाल के बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना आसान नहीं होगा। दक्षिण अफ्रीका को साथ ही उम्मीद होगी कि क्विंटन डिकॉक, रीजा हैंड्रिक्स, कप्तान एडेन मार्करम और ट्रिस्टन स्टब्स की मौजूदगी वाला उसका शीर्ष क्रम सुपर आठ चरण से पहले लय हासिल करने में सफल रहेगा।

न्यूजीलैंड को युगांडा पर जीत की उम्मीद

तारोबा। टी20 विश्व कप से बाहर हुई न्यूजीलैंड की टीम अब युगांडा के खिलाफ होने वाले ग्रुप सी के तीसरे मुकाबले में जीत की उम्मीद लगाए होगी। अफगानिस्तान ने यहां पापुआ न्यू गिनी पर जीत से न्यूजीलैंड को ग्रुप से सुपर आठ की दौड़ से बाहर कर दिया। अब ग्रुप में न्यूजीलैंड के दो मैच बचे हैं जिनके नतीजा मायने नहीं रखेगा। न्यूजीलैंड की टीम एक दशक में पहली बार विश्व कप (वनडे और टी20 प्रारूप) के ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में विफल रही। अब उमदराज खिलाड़ियों से भरी न्यूजीलैंड की टीम उम्मीद करेगी कि वह नई टीम युगांडा और पापुआ न्यू गिनी पर जीत दर्ज कर स्वदेश लौटे।

इंग्लैंड की राह बड़ी जीत से होगी आसान

नॉर्थ साउंड। ग्रुप चैंपियन इंग्लैंड शनिवार को यहां नामीबिया को बड़े अंतर से हराने के लिए बेताब होगा ताकि वह टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण की दौड़ में बरकरार रहे। इंग्लैंड और स्कॉटलैंड का मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था और आस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार से गत चैंपियन टीम ऐसी स्थिति में पहुंची। ओमान पर जीत से इंग्लैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा हो गया जो ग्रुप बी में उनके और स्कॉटलैंड के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। इंग्लैंड का नेट रन रेट -1.8 से +3.08 हो गया जबकि स्कॉटलैंड का नेट रन रेट +2.16 है। लेकिन महत्वपूर्ण बात है कि स्कॉटलैंड के अभी पांच अंक हैं जबकि इंग्लैंड के तीन अंक।

खबर संक्षेप

प्रतिस्पर्धी स्कोर देखने की उम्मीद : रबाडा

किंग्स्टन। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा को टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में प्रतिस्पर्धी स्कोर देखने की उम्मीद है क्योंकि वेस्टइंडीज की पिचों की प्रकृति टूर्नामेंट के अमेरिकी चरण में इस्तेमाल की गई 'ड्राप इन' पिच से अधिक निरंतर होंगी। न्यूयॉर्क की पिचों पर अत्यधिक उछाल से रन बनाना काफी मुश्किल हो रहा था। अब सुपर आठ के मैच कैरेबियाई स्थलों पर खेले जाएंगे। रबाडा ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला देखने के लिए संतुलित पिच पर खेलना महत्वपूर्ण है।

चेन्नईयिन एफसी ने नासिरी को जोड़ा

चेन्नई। पूर्व चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी ने शुक्रवार को उभरते हुए भारतीय फॉरवर्ड कियान नासिरी से करार की घोषणा की जो मोहन बागान के लिए खेलते थे। ईस्ट बंगाल के महान फुटबॉलर जमशीद नासिरी के 23 वर्षीय बेटे ने 2019 में मोहन बागान के साथ सीनियर पेशेवर पदार्पण किया था। क्लब ने कहा कि कियान से तीन साल का अनुबंध किया गया है जिससे वह 2027 तक क्लब से जुड़े रहेंगे। कियान ने सीनियर पदार्पण के बाद मोहन बागान के लिए 69 मैच खेलकर नौ गोल दागे।

रन रेट में हेरफेर क्रिकेट की भावना के खिलाफ

ग्रॉस आइलेट। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने जोश हेजलवुड की टिप्पणी को गंभीर नहीं बताते हुए कहा कि वे इंग्लैंड को मौजूदा टी20 विश्व कप से बाहर करने के लिए अपने नेट रन रेट में हेरफेर करने की कभी कोशिश नहीं करेंगे क्योंकि यह 'क्रिकेट की भावना के खिलाफ' होगा। तेज गेंदबाज हेजलवुड ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि अगर स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने आगामी ग्रुप बी मैच में ऐसा मौका मिला तो ऑस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड को टूर्नामेंट से बाहर करने की कोशिश करेगी।

एचआईएल के लिए पंजीकरण शुरू

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपनी राष्ट्रीय लीग के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है जिसका आठ साल बाद दोबारा आयोजन किया जाएगा और यह पुरुष तथा महिला दोनों वर्ग में होगी। हॉकी इंडिया लीग में आठ पुरुष और छह महिला टीम हिस्सा लेंगी और इसके लिए पंजीकरण की अंतिम तारीख 30 जून है। हॉकी इंडिया ने लीग में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ से भी आवेदन आमंत्रित किए हैं जो दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच आयोजित होने वाली है।

आईपीएल : न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप प्रतियोगिता से बाहर, दो मैच बाकी

अफगानिस्तान ने सुपर-8 में बनाई जगह पापुआ न्यू गिनी को सात विकेट से रौंदा

एजेंसी ▸▸ तारोबा

अफगानिस्तान ने यहां ग्रुप सी में पापुआ न्यू गिनी को सात विकेट से हराकर पहली बार टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जगह बनाई। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारुकी (तीन विकेट) और नवीन उल हक (दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने पीएनजी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 15.1 ओवर में तीन विकेट पर 101 रन बनाकर जीत दर्ज की। तीन मैच में तीन जीत से छह अंक के साथ अफगानिस्तान ग्रुप सी से सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बनी। सहमेजबान वेस्टइंडीज (छह अंक) पहले ही अगले दौर में जगह बना चुका है। इसके साथ ही 2021 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाला न्यूजीलैंड प्रतियोगिता से बाहर हो गया। न्यूजीलैंड ने लगातार दो मैच गंवाए हैं। टीम अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रही है और अभी उसके अंकों का खाता भी नहीं खुला है। न्यूजीलैंड की टीम अपने अंतिम दो मैच अब युगांडा और पीएनजी के खिलाफ खेलेगी जो महज औपचारिकता के मुकाबले हैं। अफगानिस्तान की टीम सुपर आठ चरण में अपना पहला मैच 20 जून को बारबडोस में भारत के खिलाफ खेलेगी।

फारुकी के नाम 12 विकेट

राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद फारुकी ने अपने दूसरे ओवर में दो विकेट चटकाकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। वह अब तक टूर्नामेंट में 11.2 ओवर में 42 रन देकर 12 विकेट चटका चुके हैं। फारुकी के तेज गेंदबाजी जोड़ीदार नवीन ने उनका अच्छा साथ निभाते हुए 2.5 ओवर में चार रन देकर दो विकेट चटकाए। सेमो कामिया के रन आउट के साथ 19.5 ओवर में पीएनजी की पारी सिमट गई।

अमेरिका की भी सुपर आठ में एंट्री, पाकिस्तान बाहर

फोर्ट लाउडरहिल। अमेरिका ने शुक्रवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ मैच रद्द होने के बाद अपने पहले ही प्रयास में टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण को पार करने के साथ ही पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अमेरिका ने अपने पहले दो मुकाबलों में पड़ोसी देश कनाडा और मजबूत पाकिस्तान पर जीत दर्ज की थी। उसे भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा लेकिन ग्रुप ए में उसका आयरलैंड के खिलाफ आखिरी मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। मैच रद्द होने से अमेरिका ग्रुप से भारत के साथ सुपर आठ चरण में पहुंच गया। अंपायरों ने कई बार मैदान का निरीक्षण करने के बाद आउटफील्ड गीली होने के कारण मैच को रद्द करने का फैसला किया।

इंग्लैंड ने ओमान को सिर्फ 19 गेंदों में हराया

नॉर्थ साउंड। आदिल राशिद के फिरकी के जादू से गत चैंपियन इंग्लैंड ने गुरुवार रात को यहां ओमान को ग्रुप बी मैच में आठ विकेट से रौंदकर टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जगह बनाने की अपनी उम्मीद बरकरार रखी। राशिद (चार विकेट), मार्क वुड (तीन विकेट) और जोफ्रा आर्चर (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी से ओमान को 13.2 ओवर में सिर्फ 47 रन पर ढेर करने के बाद इंग्लैंड ने मात्र 3.1 ओवर में दो विकेट पर 50 रन बनाकर बेहद एकतरफा जीत दर्ज की। इंग्लैंड की ओर से कप्तान जोस बटलर ने सिर्फ आठ गेंद में चार चौकों और एक छक्के से नाबाद 24 रन की पारी खेली। फिल सॉल्ट ने तीन गेंद में 12 जबकि जॉनी बेयरस्टो ने दो गेंद में नाबाद आठ रन बनाए।

फुटबॉल का मिनी विश्व

'यूफा यूरो कप' का आज से होगा आगाज

एजेंसी ▸▸ म्यूनिख

यूफा यूरो कप 2024 फुटबॉल टूर्नामेंट का 15 जून यानी शनिवार से आगाज होने जा रहा है। फुटबॉल के मिनी विश्व कप के नाम से मशहूर यह टूर्नामेंट 15 जून से 15 जुलाई तक खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज के मैच 26 जून तक खेले जाएंगे, वहीं नॉकआउट चरण 29 जून से शुरू होगा।

मेजबान देश के रूप में जर्मनी को ग्रुप ए में जगह दी गई है। मेजबान जर्मनी 15 जून को म्यूनिख फुटबॉल एरिना में स्कॉटलैंड के खिलाफ उद्घाटन मैच खेलेगा। इस टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन्हें चार-चार टीमों के छह ग्रुप में बांटा गया है और हर एक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें राउंड ऑफ 16 में पहुंचेंगी। इसके अलावा तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीमें भी राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

यूरो कप 2024 के पहले दौर में टीमें अपने ग्रुप में बाकी टीमों के साथ एक-एक मैच खेलेंगी। राउंड ऑफ 16 से नॉकआउट स्टेज की शुरुआत होगी। यानी हारने वाली टीम का सफर वहीं खत्म हो जाएगा। राउंड ऑफ 16 यानी प्री-क्वार्टर फाइनल में जीतने वाली आठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। क्वार्टर फाइनल की विजेता टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी और सेमीफाइनल की विजेता टीम का मुकाबला 15 जुलाई को बर्लिन के ओलंपियास्टेडियन में होने वाले फाइनल में होगा।

पहली बार जर्मनी कर रहा मेजबानी

जर्मनी 2006 फीफा विश्व कप के बाद पहली बार किसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। 2021 में पिछला यूरो कप खेला गया था। हालांकि, यह टूर्नामेंट 2020 में होना था, लेकिन कोरोना की वजह से इसे एक साल के लिए स्थगित किया गया था। 2021 में हुए यूरो कप को यूफा यूरो कप 2020 के नाम से ही बुलाया गया था। पिछला यूरो कप का खिताब इटली ने जीता था। इटली को ग्रुप बी में स्पेन और क्रोएशिया के साथ रखा गया है। इसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' भी कहा जा रहा है।

पेरिस ओलंपिक

शीर्ष रैंकिंग पर काबिज सिनर खेलेंगे एकल और युगल स्पर्धा

एजेंसी ▸▸ रोम

शीर्ष रैंकिंग पर काबिज खिलाड़ी यानिक सिनर पेरिस ओलंपिक में पुरुष एकल और युगल दोनों स्पर्धाओं में इटली का प्रतिनिधित्व करेंगे। इटली टेनिस महासंघ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचकर इस हफ्ते पुरुष रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचे सिनर (22 वर्ष) के लिए यह पहला ओलंपिक होगा। सिनर ने जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब अपनी झोली में डाला था। 2024 में उनका जीत का रिकॉर्ड 33-3 रहा है जिसमें उन्होंने तीन खिताब हासिल किये। महासंघ ने कहा कि इटली के युगल मुकाबले में वह लोरेंजो मुसेटी के साथ जोड़ी बनाएंगे।पिछले हफ्ते फ्रेंच ओपन महिला फाइनल में हारने वाली जैस्मीन पाओलोनी भी इटली के लिए खेलेंगी।

ईस्ट बंगाल से जुड़े स्ट्राइकर दिमित्रियोस

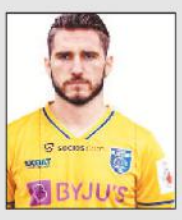

कोलकाता। ईस्ट बंगाल ने इंडियन सुपर लीग फुटबॉल के आगामी सत्र के लिए शुक्रवार के यूनान के स्ट्राइकर दिमित्रियोस दियामनताकोस को अनुबंधित करने की घोषणा की। यह अनुभवी 31 वर्षीय खिलाड़ी 2022 से केरल ब्लास्टर्स के लिए खेल रहा था। दिमित्रियोस ने क्लब से अनुबंध के बाद प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'सभी जानते हैं कि ईस्ट बंगाल एशिया में सबसे अधिक प्रशंसकों वाले क्लब में से एक है। मैं उनके सामने खेलने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता।'

एकल में प्रणय की हार से भारतीय चुनौती समाप्त

सिडनी। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय अपने से ऊंची रैंकिंग वाले जापान के कोडाई नाराओका से 19-21, 13-21 से हार गए जिससे शुक्रवार को यहां देश का कोई भी शटलर ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ने में सफल नहीं रहा। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज प्रणय की हार से पहले पुरुष एकल वर्ग में समीर वर्मा और महिला एकल में आकर्षि कश्यप (महिला) के अलावा सिक्की रेड्डी एवं बी सुमित रेड्डी की मिश्रित जोड़ी को अंतिम आठ में हार का सामना करना पड़ा।

बोपन्ना-बालाजी पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर देंगे कड़ी चुनौती

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अखिल भारतीय टेनिस संघ ने गुरुवार को ऐलान किया कि रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए पुरुष युगल स्पर्धा के लिए भारत की पसंदीदा जोड़ी होंगे।

- एआईटीए ने पुरुष युगल स्पर्धा के लिए चुनी भारत की पसंदीदा जोड़ी

विश्व में चौथे स्थान पर काबिज बोपन्ना को अपनी जोड़ी चुनने की अनुमति दी गई और अनुभवी ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने श्रीराम बालाजी को चुना। श्रीराम इस समय विश्व में 67वें स्थान पर हैं। एआईटीए ने गुरुवार को इस निर्णय की जानकारी दी। दोनों के साथ कोच बालचंद्रन मणिकथ और फिजियो रेबेका वी ओरशेगेन भी होंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है! कोच श्री बालचंद्रन मणिक्कथ और फिजियो सुश्री रेबेका वी. ओरशेगेन के साथ, हम विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

ओलंपिक क्वालीफायर में यूक्रेन से मिली हार

कोटा के लिए महिला तीरंदाजी टीम रैंकिंग पर निर्भर

एजेंसी ▸▸ अंताल्या

दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भकत की भारतीय महिला रिकर्व टीम शुक्रवार को यहां अंतिम ओलंपिक क्वालीफायर के प्री क्वार्टरफाइनल में बढ़त गंवाकर निचली रैंकिंग पर काबिज यूक्रेन से 3-5 से उलटफेर का शिकार हो गई।

पांचवें वरीय के तौर पर क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम को प्री क्वार्टर फाइनल में बाई मिली थी जिससे उसे पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने के लिए एलिमिनेशन दौर में दो जीत की दरकार थी।

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करेगी। लेकिन विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम यूक्रेन की वेरोनिका मार्चेको, अनास्तासिया पावलोवा और ओल्हा चेबोतारेंको की तिकड़ी से 3-1 की बढ़त गंवाकर 3-5 (51-51, 55-52, 53-54, 52-54) से हार गई। यूक्रेन की टीम विश्व रैंकिंग में भारत से 10 पायदान नीचे है। भारत को भजन और अंकिता के कम अनुभव का खामियाजा भुगतना पड़ा क्योंकि दोनों धैर्य नहीं दिखा सकीं। पुरुष टीम की क्वालीफाइंग स्पर्धा शनिवार को होगी जिसमें 46 टीमों के बीच कड़ी स्पर्धा होगी क्योंकि सिर्फ तीन कोटे दाव पर लगे होंगे। व्यक्तिगत कोटा हासिल करने की स्पर्धा रविवार को होंगी।

क्वालीफिकेशन का नया नियम

भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम हालांकि अब भी रैंकिंग के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकती है। क्वालीफिकेशन नियम में नए संशोधन के अनुसार क्वालीफायर से कट हासिल नहीं करने की स्थिति में विश्व तीरंदाजी रैंकिंग में शीर्ष दो देश ओलंपिक से पहले कट हासिल कर लेंगे। भारतीय महिला टीम इस समय आठवीं रैंकिंग पर काबिज है। दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस, मेक्सिको, अमेरिका रैंकिंग में भारत से आगे हैं और पहले ही पेरिस के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। दुनिया की दूसरे नंबर की टीम चीन और सातवें नंबर की चीनी ताइपे ही भारत से आगे हैं और दोनों यहां अंतिम ओलंपिक क्वालीफायर में क्वार्टरफाइनल में हैं जिससे टीम कोटा हासिल करने से महज एक जीत दूर हैं। अगर ये दोनों टीम कोटा हासिल कर लेती हैं तो भारत रैंकिंग के जरिए टीम कोटा हासिल करने के लिए मजबूत स्थिति में होगा।

खबर संक्षेप

एसबीआई ने बांड से 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने कारोबार बढ़ाने के लिए बांड के जरिये 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 830 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। यह राशि वरिष्ठ असुरक्षित अस्थिर दर वाले ऋणपत्रों के जरिए जुटाई गई है। इसकी परिपक्वता अवधि तीन साल है। एसबीआई ने बताया कि ये बांड 20 जून, 2024 तक उसकी लंदन शाखा के जरिये जारी किए जाएंगे।

एनसीएलटी ने बायजू का राइट्स इश्यू रोका

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच बायजू का संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न को 11 मई को शुरू हुए राइट्स इश्यू पर आगे बढ़ने से रोक दिया है। एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ के 12 जून को जारी आदेश में बायजू से राइट् इश्यू की पहली किस्त के तहत दो मार्च को शेयर आवंटित किए जाने से पहले और बाद के अपने शेयरधारकों का पूरा ब्योरा देने को कहा है।

मर्सिडीज बेंज महाराष्ट्र में करेगी 3000 करोड़ निवेश

मुंबई। जर्मनी की कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज बेंज महाराष्ट्र में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। सामंत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'' पर लिखा कि जर्मनी की यात्रा के दौरान बृहस्पतिवार को मर्सिडीज बेंज के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और राज्य में निवेश अवसरों पर चर्चा की।

डब्ल्यूसीएल लाइबेरिया में दो अरब डॉलर निवेश करेगा

नई दिल्ली। वेदांता समूह की कंपनी वेदांता सेसा गोवा ने शुक्रवार को कहा कि उसकी शाखा वेस्टर्न क्लस्टर लिमिटेड पश्चिम अफ्रीकी देश लाइबेरिया के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए दो अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। डब्ल्यूसीएल, ब्लूम फाउंटेन लिमिटेड के पूर्ण-स्वामित्व वाली शाखा है।

स्टेनली लाइफस्टाइल्स का आईपीओ 21 जून को खुलेगा

नई दिल्ली। लक्जरी फर्नीचर ब्रांड स्टेनली लाइफस्टाइल्स की योजना आईपीओ के जरिए 537 करोड़ रुपये जुटाने की है। स्टेनली लाइफस्टाइल्स के अनुसार, कंपनी का आईपीओ 21 जून को खुलेगा और 25 जून को बंद होगा। निवेशक 20 जून को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ का मूल्य दायरा 351-369 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

कोल्टे-पाटिल डेवलपर्स समूह के सीईओ तलेले का इस्तीफा

पुणे। रियल्टी कंपनी कोल्टे-पाटिल डेवलपर्स लिमिटेड के समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राहुल तलेले ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने 14 जून को हुई बैठक में उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। तलेले ने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दिया था। इसके साथ ही कोल्टे पाटिल डेवलपर्स ने कहा कि तलेले बदलाव को सुगमता से अंजाम देने के लिए 31 अगस्त, 2024 तक एक गैर-प्रमुख प्रबंधक के रूप में काम करना जारी रखेंगे।

मस्क को मिलेगी 4.67 लाख करोड़ रुपए की सैलरी! शेयरधारकों ने दी मंजूरी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

- उनका पैकेज इतना भारी-भरकम था कि कोर्ट ने रोक लगा दी थी

दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क का सैलरी पैकेज सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। उनका पैकेज इतना भारी-भरकम था कि इस पर अमेरिका की कोर्ट को रोक तक लगानी पड़ी। आखिर 6 साल बाद उन्हें हासिल करने में सफलता मिल ही गई। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरहोल्डर्स ने एलन मस्क के 56 अरब डॉलर (करीब 4.64 लाख करोड़ रुपए) सालाना के पैकेज को मंजूरी दे दी है। यह अमेरिका के कॉरपोरेट इतिहास में किसी सीईओ का अब तक का सबसे बड़ा सैलरी पैकेज है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एलन मस्क ने खुद ट्वीट कर शेयरहोल्डर्स को उनका साथ देने के लिए धन्यवाद किया। शेयरहोल्डर्स ने बुधवार को हुई बैठक में इस पैकेज को मंजूरी दी और गुरुवार को होने वाली मीटिंग में इसका ऐलान हो सकता है।

वैसे तो एलन मस्क को साल 2018 में ही इस पैकेज को देने के लिए प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन कंपनी के कुछ शेयरहोल्डर्स के विरोध की वजह से डेलवेयर कोर्ट के जज ने इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस बार मेज्योरिटि शेयरहोल्डर्स ने अपनी मंजूरियां दे दी हैं। तब लाए गए पैकेज की आज वैल्यू 56 अरब डॉलर है, क्योंकि 2018 में टेस्ला की मार्केट वैल्यू 59.1 अरब डॉलर थी, जो आज 570 अरब डॉलर हो गई है।

छह साल बाद आखिरकार शेयरहोल्डर्स ने पैकेज पर अपनी मुहर लगाई

कंपनी का हेडक्वार्टर भी बदलेगा

टेस्ला के शेयरधारकों ने मस्क के पैकेज को मंजूरी देने के साथ कंपनी का लीगल हेडक्वार्टर डेलवेयर से टेक्सास शिफ्ट करने पर भी मुहर लगा दी है। साथ ही दो बोर्ड मेंबर को री-इलेक्ट करने पर भी मंजूरी दे दी है। मस्क को मिली इस मंजूरी को कई शेयरधारक कंपनी पर उनकी लीडरशिप की पकड़ से जोड़कर देख रहे हैं। कंपनी के बोर्ड का कहना है कि दुनिया के सबसे अमीर शख्स यह पैकेज डिजर्व करते हैं, क्योंकि उन्होंने कंपनी की मार्केट वैल्यू और प्रॉफिट बढ़ाने में बड़ा योगदान दिया है।

फिर कोर्ट पहुंच गए शेयरहोल्डर्स

जैसे ही कंपनी के बोर्ड और शेयरहोल्डर्स ने इस पैकेज को अपनी मंजूरी दी, कुछ शेयरहोल्डर्स जो इसके खिलाफ हैं, कोर्ट पहुंच गए। डेलवेयर कोर्ट में फाइल केस में शेयरधारकों ने कहा है कि कंपनी के जिन निदेशकों ने मस्क के पक्ष में वोट किया है, वे उनके करीबी हैं और ज्यादातर शेयरधारकों को पूरे मामले की जानकारी ही नहीं है।

अभी फंस सकता है पेंच : एलन मस्क के इस भारी-भरकम सैलरी पैकेज पर सिर्फ 73 फीसदी शेयरहोल्डर्स ने ही मंजूरियां दी हैं, जबकि अमूमन कॉरपोरेट जगत में इस तरह के पैकेज को 95 फीसदी शेयरहोल्डर्स अपनी मंजूरी देते हैं। बावजूद इसके कंपनी के कुछ बड़े शेयरहोल्डर्स जैसे नॉर्वे सॉवरेन वेल्थ फंड और कैलीफोर्निया के दो बड़े पेंशन फंड ने इस पैकेज के विरोध में वोट देने की बात कही है।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

थोक महंगाई दर 15 महीने की ऊंचाई पर, मई में बढ़कर 2.61%, खाने-पीने की चीजें हुई महंगी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भीषण गर्मी के प्रकोप के बीच खाद्य वस्तुओं और महंगे विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से मई के महीने में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 15 महीने के उच्चतम स्तर 2.61 प्रतिशत पर पहुंच गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति लगातार तीन महीने से बढ़ रही है।

अप्रैल में यह 1.26 प्रतिशत और मई 2023 में यह शून्य से 3.61 प्रतिशत नीचे रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'मई 2024 में मुद्रास्फीति बढ़ने का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस, खनिज तेल और अन्य विनिर्माण उत्पादों की कीमतों में वृद्धि रही।'

पिछला उच्चतम स्तर फरवरी 2023 में देखा गया

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मई में 15 महीने के उच्चतम स्तर पर रही है। इसका पिछला उच्चतम स्तर फरवरी 2023 में देखा गया था, जब थोक मुद्रास्फीति 3.85 प्रतिशत थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मई में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 10 महीने के उच्च स्तर 9.82 प्रतिशत पर पहुंच गई। मई में सब्जियों की महंगाई दर 32.42 प्रतिशत रही, जो एक महीने पहले अप्रैल में 23.60 प्रतिशत थी।

खाद्य वस्तुएं और विनिर्मित वस्तुए की कीमतें बढ़ने से बढ़ी महंगाई ▸ **डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति लगातार तीन माह से बढ़ रही** ▸ **अप्रैल में थोक महंगाई दर 1.26 प्रतिशत दर्ज की गई**

भीषण गर्मी के कारण खाद्य मुद्रास्फीति ऊंची: आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में लगातार आठवीं बार ब्याज दर को यथावत रखने का फैसला किया था। बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री अदिति गुप्ता ने कहा कि देश में भीषण गर्मी के कारण खाद्य मुद्रास्फीति भी ऊंची बनी रहने का अनुमान है।

मानसून की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

मानसून की प्रगति भविष्य में खाद्य मुद्रास्फीति की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा वैश्विक धातु कीमतों में उछाल विनिर्माण श्रेणी में मुद्रास्फीति बढ़ने का कारण बना। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति मई में 0.78 प्रतिशत थी, जो अप्रैल में शून्य से नीचे 0.42 प्रतिशत थी।

प्याज, आलू व दाल की महंगाई दर बढ़ी

इसी तरह प्याज की महंगाई दर 58.05 प्रतिशत, जबकि आलू की महंगाई दर 64.05 प्रतिशत रही। दालों की महंगाई दर मई में 21.95 प्रतिशत रही। हालांकि मई में थोक मुद्रास्फीति की वृद्धि इस महीने के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के विपरीत है।

खुदरा मुद्रास्फीति घटी

इस सप्ताह की शुरुआत में जारी आंकड़ों के अनुसार मई में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.75 प्रतिशत पर आ गई जो पिछले 12 महीनों का सबसे निचला स्तर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ही ध्यान में रखता है।

कंपनियों के कच्चे माल की लागत बढ़ रही

बार्कलेज की अर्थशास्त्री श्रेया सोढानी ने कहा कि विनिर्माण के लिए मूल्य सूचकांक (जिसका डब्ल्यूपीआई में सर्वाधिक 64 प्रतिशत भारांक है) में लगातार चौथे महीने वृद्धि हुई है, जो दर्शाता है कि कंपनियों की कच्चे माल की लागत बढ़ रही है। ईंधन एवं बिजली क्षेत्र में मुद्रास्फीति 1.35 प्रतिशत रही, जो अप्रैल के 1.38 प्रतिशत से मामूली कम है।

वैश्विक जिंस की कीमतों में गिरावट दर्ज

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, ''जून 2024 में अभी तक वैश्विक जिंस की कीमतों में मासिक आधार पर गिरावट आई है। इससे महीने में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में उछाल पर काबू पाने में मदद मिलेगी और प्रतिकूल आधार का मुकाबला किया जा सकेगा। कुल मिलाकर इक्रा का अनुमान है कि जून 2024 में कुल थोक मुद्रास्फीति मामूली रूप से बढ़कर तीन प्रतिशत हो जाएगी।''

स्वास्थ्य बीमा खंड में प्रवेश का प्रस्ताव नहीं: एलआईसी

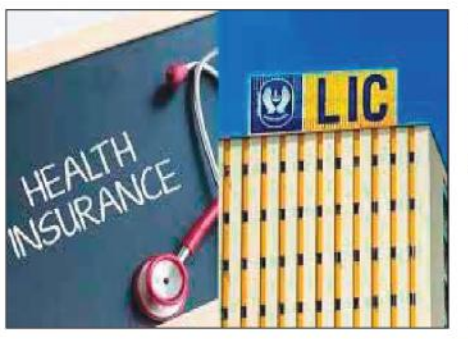

- बीमा पॉलिसी जारी करने की अनुमति नहीं
- पॉलिसी एकल बीमा कंपनी ही बेच सकती है

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसका स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में कदम रखने कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं है।

फिलहाल, जीवन बीमा कंपनियों को स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी जारी करने की अनुमति नहीं है। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी को साधारण बीमा कंपनी या एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनी ही बेच सकती हैं। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, 'हम स्पष्ट करते हैं कि फिलहाल, ऐसा कोई औपचारिक प्रस्ताव (निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनी के जरिये स्वास्थ्य बीमा का) नहीं लाया गया है।' इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने कहा, 'एलआईसी सामान्य तौर पर विभिन्न रणनीतिक अवसरों का मूल्यांकन और अन्वेषण करती है, तथा रणनीतिक साझेदारी और निवेश अवसरों सहित अपने कारोबार की वृद्धि और विस्तार के लिए नए विकल्पों का भी मूल्यांकन और अन्वेषण करती है।

अधिनियम संशोधन से ही मिलेगी अनुमति

उम्मीद है कि बीमा अधिनियम में संशोधन करके समग्र बीमा लाइसेंस की अनुमति दी जा सकती है। बीमा अधिनियम, 1938 और भारतीय बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण (इरडा) के नियमों के अनुसार, किसी बीमाकर्ता को एक इकाई के तहत जीवन, साधारण या स्वास्थ्य बीमा करने के लिए समग्र लाइसेंसिंग की अनुमति नहीं है।

निर्यात मई में नौ प्रतिशत बढ़कर 38.13 अरब डॉलर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत का मई में वस्तु निर्यात नौ प्रतिशत बढ़कर 38.13 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 34.95 अरब डॉलर था। इस दौरान व्यापार घाटा बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 23.78 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया।

शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने मई में इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक, औषधि, कपड़ा और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों में स्वस्थ वृद्धि के दम पर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद निर्यात में वृद्धि दर्ज की है।

आलोच्य अवधि में कच्चे तेल का आयात बढ़ने से देश का कुल आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 61.91 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। यह मई 2023 में 57.48 अरब अमेरिकी डॉलर था। तेल आयात मई में 28 प्रतिशत बढ़कर 20 अरब डॉलर हो गया। इस तरह वित्त वर्ष 2024-25 के पहले दो महीनों में तेल आयात 24.4 प्रतिशत बढ़कर 36.4 अरब डॉलर हो गया।

- व्यापार घाटा सात महीनों में सर्वाधिक
- इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक, औषधि जैसे क्षेत्र में निर्यात बढ़ा

हालांकि, इस साल मई में सोने का आयात मामूली रूप से घटकर 3.33 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 3.69 अरब डॉलर था। समीक्षाधीन महीने में आयात और निर्यात के बीच का अंतर यानी देश का व्यापार घाटा बढ़कर 23.78 अरब अमेरिकी डॉलर रहा जो सात महीनों का उच्चतम स्तर है।

निर्यात मई माह में उत्कृष्ट रहा

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने इन आंकड़ों के बारे में कहा कि निर्यात के नजरिये से मई महीना उत्कृष्ट रहा है और यह प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति धीमी हो रही है और इससे क्रय शक्ति को बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे आयात की मांग बढ़ेगी।

हुंडई ने आयोनिक-5 की 1,744 इकाइयों को बुलाया वापस

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

हुंडई मोटर इंडिया एकीकृत चार्जिंग नियंत्रण इकाई में समस्या के कारण अपने इलेक्ट्रिक मॉडल आयोनिक 5 की 1,744 इकाइयों को वापस बुला रही है। उद्योग संगठन सियाम से मिली जानकारी के अनुसार इन इकाइयों में यह समस्या आई है।

सियाम की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कंपनी इसको ठीक करने के लिए 21 जुलाई 2022 से 30 अप्रैल 2024 के बीच निर्मित इकाइयों को वापस बुला रही है। इसमें कहा गया कि कि वह इन इकाइयों को एकीकृत चार्जिंग नियंत्रण इकाई में संभावित समस्या के कारण वापस बुला रही है, जिससे 12V बैटरी 'डिस्चार्ज' (खत्म) हो सकती है। संपर्क करने पर हुंडई कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, 'हुंडई मोटर इंडिया में ग्राहकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आयोनिक 5 को वापस मंगाना, प्रभावित वाहनों में एकीकृत चार्जिंग नियंत्रण इकाई (आईसीसीयू) का निरीक्षण और उन्नयन करने के लिए एक सक्रिय कदम है। इसका ग्राहकों पर कोई खर्च नहीं आएगा।'

- चार्जिंग नियंत्रण इकाई में पाई गई समस्या
- आयोनिक 5 की कीमत 46 .05 लाख रुपये से शुरू

कंपनी वाहन मालिकों से संपर्क करेगी : प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी के समर्पित दल वाहन मालिकों के संपर्क में रहेंगे और इस संबंध में उनका मार्गदर्शन करेंगे। आयोनिक 5 की कीमत 46.05 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

सोने में 70 रुपए की गिरावट चांदी 250 रुपए टूटी

नई दिल्ली। वैश्विक रुख के अनुरूप राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 70 रुपये की गिरावट के साथ 72,080 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 250 रुपये घटकर 90,700 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले सत्र में यह 90,950 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 'दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने (24 कैरेट) की कीमतें 72,080 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं, जो पिछले बंद भाव से 70 रुपये कम है।'

सेंसेक्स, निफ्टी ने बनाए नए रिकॉर्ड

एजेंसी ▸▸| मुंबई

निर्यात के उत्साहजनक आंकड़ों के बीच शुक्रवार को एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों में लिवाली आने से लगातार तीसरे सत्र में भी तेजी जारी रही। इसके असर में घरेलू बाजारों के मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 181.87 अंक चढ़कर 76,992.77 अंक के नए उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 66.70 अंक की बढ़त के साथ 23,465.60 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

- निर्यात के उत्साहजनक आंकड़ों से बाजार में रही तेजी
- रिलायंस और महिंद्रा के शेयरों में रही तेजी

इन शेयरों में रही घट-बढ़: सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे अधिक तेजी दर्ज की गई। दूसरी तरफ टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, लार्सन एंड टूब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट का रुख देखा गया।

भेल को अदाणी पावर से दो बिजली संयंत्रों के ठेके

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भेल को अदाणी पावर से 7,000 करोड़ रुपये के दो बिजली संयंत्रों के ठेके मिले हैं। भेल ने एक बयान में कहा कि पहला ठेका छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में स्थापित किए जा रहे 2x800 मेगावाट रायपुर सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट का अदाणी पावर लिमिटेड से मिला है। बयान के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में स्थापित किए जा रहे 2x800 मेगावाट मिर्जापुर सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के लिए दूसरा ठेका एमटीईयूपीपीएल (अदाणी पावर लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी) से मिला हे। भारी उद्योग मंत्रालय के अधीन भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) भारत का सबसे बड़ा इंजीनियरिंग व विनिर्माण उद्यम है। यह ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में काम करता है।

अगले माह से अरहर, चना और उड़द के भाव आ सकते हैं नीचे

जुलाई से घट सकती है दलहनों की कीमत : सरकार

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने शुक्रवार को कहा कि अच्छे मानसून और आयात बढ़ने की उम्मीदों से अगले महीने से अरहर, चना और उड़द दालों की कीमतों में नरमी आने की संभावना है। इसके साथ ही खरे ने कहा कि दालों की कीमतों को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

- अच्छे मानसून और आयात बढ़ने से कीमतों में नरमी आने की संभावना

सचिव ने कहा कि अगले महीने से इन तीनों दालों का आयात भी बढ़ेगा जिससे घरेलू आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी। खरे ने यहां कहा, 'पिछले छह महीनों में अरहर, चना और उड़द दालों की कीमतें स्थिर रही हैं, लेकिन उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। मूंग और मसूर दालों की कीमत की स्थिति संतोषजनक है।'

आठ लाख टन तुअर का आयात किया गया

भारत ने पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग आठ लाख टन तुअर और छह लाख टन उड़द का आयात किया। म्यांमार और अफ्रीकी देशों से भारत को प्रमुख रूप से दाल के निर्यात होता है। फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) में तुअर का उत्पादन 33.85 लाख टन रहा जबकि खपत 44-45 लाख टन रहने का अनुमान है।

चना व उड़द की मांग में इजाफा

चना का उत्पादन 115.76 लाख टन रहा जबकि मांग 119 लाख टन है। उड़द के मामले में उत्पादन 23 लाख टन रहा जबकि खपत 33 लाख टन रहने का अनुमान है। मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को आयात के जरिए पूरा किया जाता है। सब्जियों के मामले में भी खरे ने कहा कि मानसून की बारिश से खुदरा कीमतों पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

भारत चना दाल से राहत प्रदान की गई

खरे ने कहा कि सरकार घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए सभी जरूरी उपाय करेगी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 'भारत चना दाल' को 60 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचने की सरकार की योजना आम आदमी को राहत प्रदान कर रही है।

अरहर का औसत खुदरा मूल्य 160.75 रु. किलो

13 जून को चना दाल का औसत खुदरा मूल्य 87.74 रुपये प्रति किलोग्राम, तुअर (अरहर) दाल 160.75 रुपये प्रति किलोग्राम, उड़द दाल 126.67 रुपये प्रति किलोग्राम, मूंग दाल 118.9 रुपये प्रति किलोग्राम और मसूर दाल 94.34 रुपये प्रति किलोग्राम था। उपभोक्ता मामलों का विभाग देश के 550 प्रमुख उपभोक्ता केंद्रों से खाद्य उत्पादों के खुदरा मूल्य एकत्र करता है।

दालों की खेती के रकबे में सुधार

खरे ने कहा, 'जुलाई से तुअर, उड़द और चना की कीमतों में नरमी आने की संभावना है।' सचिव ने कहा कि मौसम विभाग ने सामान्य मानसून बारिश का अनुमान लगाया है जिससे दालों की खेती के रकबे में काफी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है।

जेनएआई स्टार्टअफ के लिए बनेगा 23 करोड़ का कोष

नई दिल्ली। अमेजन वेब सर्विसेज ने अपने वैश्विक सृजनात्मक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (जेन-एआई) प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत जेनएआई स्टार्टअप फर्मों के लिए 23 करोड़ डॉलर का कोष बनाने की घोषणा की है। कार्यक्रम एक अक्टूबर से शुरू होगा और 10 सप्ताह तक चलेगा। द एशिया-प्रशांत और जापान क्षेत्र से 20 और कुल मिलाकर 80 स्टार्टअप फर्मों एवं उनके संस्थापकों की मदद करना है। 10 लाख अमेरिकी डॉलर तक के एडब्ल्यूएस क्रेडिट, कौशल विकास सत्र, व्यवसाय तथा तकनीकी सलाह और नेटवर्किंग के अवसर मिलेंगे।

» यह घातक हथियार दुश्मन के घर में घुसकर मचा देगा तबाही

» 200 मीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर दुश्मन को नहीं आएगा नजर

» नागपुर की कंपनी ने नागस्त्र-1 का पहला बैच भारतीय सेना को सौंपा

भारतीय सेना को मिले 120 स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन 'नागस्त्र 1'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वदेश में विकसित नागस्त्र-1 आत्मघाती ड्रोन की पहली खेप भारतीय सेना को मिल गई है। नागपुर की कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज ने इन घातक ड्रोनों को विकसित किया है। भारतीय सेना ने आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत 480 लॉइटरिंग म्यूनिशन की आपूर्ति का ऑर्डर दिया था। इनमें से 120 की डिलीवरी कर दी गई है।

भारतीय सेना को बेहद घातक हथियार मिल गया है। नागपुर की सोलर इंडस्ट्रीज ने पहला स्वदेशी लॉइटरिंग म्यूनिशन नागस्त्र-1 भारतीय सेना को सौंप दिया है। नागस्त्र-1 दुश्मन के घर में घुसकर हमला करने में सक्षम है। यह एक आत्मघाती ड्रोन है, जो दुश्मन के इलाके में घुसकर तबाही बचा देगा। बता दे कि भारतीय सेना को 120 स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन 'नागस्त्र' मिले हैं। नागपुर की कंपनी ने 120 स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन 'नागस्त्र' का पहला बैच भारतीय सेना को सौंपा है। भारतीय सेना ने आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत 480 लोइटर म्यूनिशन की आपूर्ति के लिए सोलर इंडस्ट्रीज के इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) को ऑर्डर दिया है। प्री-डिलीवरी निरीक्षणों के सफल समापन के बाद ईईएल ने सेना के गोला-बारूद डिपो को 120 लोइटर म्यूनिशन वितरित किए हैं।

आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत 480 लोइटर म्यूनिशन के दिए गए हैं ऑर्डर

भारतीय सेना ने आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत 480 लोइटर म्यूनिशन की आपूर्ति के लिए सोलर इंडस्ट्रीज की इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) को ऑर्डर दिया है। पहले बैच के रूप में 120 लोइटर म्यूनिशन सेना के गोला-बारूद डिपो को सौंप दिए हैं।

घरेलू स्तर पर निर्मित आत्मघाती ड्रोन का पहला बैच

भारतीय सेना को घरेलू स्तर पर निर्मित आत्मघाती ड्रोन का पहला बैच प्राप्त हुआ है, जिसे नागस्त्र-1 के नाम से जाना जाता है। स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन को आत्मघाती ड्रोन नागस्त्र-1 के रूप में भी जाना जाता है।

आतंकी लॉन्च पैड, घुसपैठियों और दुश्मनों के ट्रेनिंग कैंप पर हो सकेंगे सटीक हमले

यह एक ही आत्मघाती ड्रोन दुश्मन के इलाके में घुसकर तबाही मचा सकता है। जीपीएस से लैस यह ड्रोन दो मीटर की दूरी पर सटीकता के साथ हमला कर सकता है। नौ किलोग्राम वजन वाले मैन-पोर्टेबल फिक्स्ड-विंग इलेक्ट्रिक यूएवी की क्षमता 30 मिनट की है। मैन-इन-लूप रेंज 15 किलोमीटर और ऑटोनॉमस मोड रेंज 30 किलोमीटर है। इसका इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम कम ध्वनिक संकेत प्रदान करता है। इससे 200 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर दुश्मन इसे पहचान नहीं पाता। इसे आसानी के साथ जमीन से लॉन्च किया जा सकता है। यह 1.5 किलोग्राम विस्फोटक वारहेड ले जाने में सक्षम है और 15 किमी. तक निगरानी करके आसानी से लक्ष्य भेद सकता है। इससे आतंकी लॉन्च पैड, घुसपैठियों और दुश्मनों के ट्रेनिंग कैंप पर सटीक हमले किये जा सकेंगे।

मात्र 9 किलोग्राम वजनी है मोड रेंज 30 किमी

नागास्त्र-1 आत्मघाती ड्रोन है। जीपीएस से लैस यह ड्रोन दो मीटर की सटीकता के हमला कर सकता है। नौ किलोग्राम वजन वाले मैन-पोर्टेबल फिक्स्ड-विंग इलेक्ट्रिक यूएवी की क्षमता 30 मिनट की है। मैन-इन-लूप रेंज 15 किलोमीटर और ऑटोनॉमस मोड रेंज 30 किलोमीटर है। इसका इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम कम ध्वनिक संकेत प्रदान करता है। इससे 200 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर दुश्मन इसे पहचान नहीं पाता।

सौदे से जुड़ी खास बातें

- रक्षा क्षेत्र में 'मेक-इन-इंडिया' के तहत सेना ने 480 नागस्त्र-1 ड्रोन का दिया था ऑर्डर।
- यह आत्मघाती ड्रोन दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमला करने में सक्षम है।
- यह सौदा करीब 300 करोड़ रुपए का हो सकता है।
- आपातकालीन प्रावधानों के तहत सेना ने दिया था ऑर्डर।
- अब तक विदेश से खरीदे जाते थे ऐसे ड्रोन, ईईएल बनी पहली स्वदेशी कंपनी।

ड्रोन की खासियतें

- आसानी से जमीन से किया जा सकता है लॉन्च।
- 1.5 किलोग्राम विस्फोटक वारहेड ले जाने में सक्षम।
- 15 किमी तक निगरानी और लक्ष्य भेद सकता।
- आतंकी लॉन्च पैड, घुसपैठियों और दुश्मनों के ट्रेनिंग कैंप पर कर सकेंगे सटीक हमला।

खबर संक्षेप

खुले में न करें कुर्बानी मौलाना खालिद रशीद

नई दिल्ली। दुनिया भर के मुसलमान ईद उल-अज़हा का त्योहार 17 जून को मनाने वाले हैं। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के प्रमुख मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने त्योहार मनाने वाले सभी मुसलमानों से अपील की है और 13 सूत्रीय दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने अपील की है कि कोई भी नमाजी ईद की नमाज सड़क पर ना पड़े और ईदगाह या जिस जगह इंतिज़ाम किया गया है वहीं जाकर पढ़े।

केन्या सरकार लाखों कौवों को मारेगी

नैरोबी। केन्या में लगातार बढ़ती कौवों की संख्या से परेशान होकर वहां की सरकार ने साल 2024 के आखिरी तक केन्या के सभी समुद्रीय तटीय इलाकों से दस लाख कौवों को हटाने का आदेश दिया है। केन्या सरकार के मुताबिक ये कौवे भारतीय मूल के हैं । जानकारी के मुताबिक साल 1940 में ये कौवें अफ्रीका में चले गए थे। तब से लगातार इन कौवों की संख्या बढ़ती जा रही है। तब से इनकी संख्या काफी बढ़ गई है अब ये कौवे इतने आक्रामक हो गए हैं कि पक्षियों और लोगों को सताने लगे हैं।

भारत को मिल सकते हैं 26 और राफेल विमान

नई दिल्ली। भारतीय सेना लगातार अपने बेड़े को मजबूत कर रही है। इसी को लेकर एक बार फिर भारत और फ्रांस के बीच राफेल को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। बताया जा रहा कि दोनों देशों की सरकारों के बीच 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों के सौदे को लेकर बातचीत हो रही है। इस दौरान कीमत और अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जा रही। इससे पहले भारत और फ्रांस के बीच राफेल की खरीदी के लिए 30 मई को बैठक होने वाली थी।

आगजनी में भारतीय नागरिकों की हुई थी मौत

कुवैत से 45 मज़दूरों के शव लेकर भारत लौटा वायुसेना का विमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कुवैत अग्निकांड में जान गंवाने वाले 45 भारतीयों के शव भारत की धरती पर पहुंच चुके है। एयरफोर्स का विशेष विमान उनके शवों को लेकर केरल के कोच्चि में लैंड हो चुका है। अब इन शवों को उनके परिवारों के हवाले कर दिया जाएगा। जिन भारतीय मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई है उनमें से केरल से 23, तमिलनाडु से 7, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश से 3-3, ओडिशा से 2, बिहार, पंजाब, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखंड और हरियाणा से 1-1 मजदूर थे।

सुबह कोच्चि में लैंड हुआ विमान

भारतीय मजदूरों की मदद के लिए कुवैत पहुंचे विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने ये कहा था कि शवों की वापसी के लिए भारतीय वायुसेना का विमान तैयार किया गया है। शुक्रवार सुबह कोच्चि में ये विमान लैंड हुआ और यहीं दक्षिण के राज्यों को उनके मजदूरों के शवों को सुपुर्द किया जाएगा जिसके बाद ये फ्लाइट दिल्ली के लिए रवाना हुई। केरल के सीएम पिनरायी विजयन और बाकी राज्यों के नेता शवों को लेने श्रद्धांजलि देने के लिए एयरपोर्ट पर पहुंचे।

केंद्र सरकार ने मुआवजे का ऐलान किया

केरल के मजदूर हमारे राज्य के लिए जीवनदायक हैं। कुवैत में लगी आग हमारे समुदाय के लिए एक बड़ी दुर्घटना है। आग में झुलसकर मरने वालों के परिजनों के लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने मुआवजे का ऐलान किया है। विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कुवैत के कई अस्पतालों का दौरा किया था और घायल मजदूरों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना था।

रूस ने दोनों देशों के बीच शांति बहाल को लेकर कई और मांगें रखी

रूस के राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन के साथ सीजफायर करने को तैयार

एजेंसी ▶▶ मास्को

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के सामने कई शर्तें रखी है। उन्होंने कहा कि हम इस जंग का अंतिम समाधान निकालने के लिए बिना देरी के बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन से सीजफायर को तैयार हो गए हैं, लेकिन उन्होंने इसके लिए एक शर्त रखी है। जानकारी के अनुसार पुतिन ने कहा कि अगर यूक्रेन कब्जे वाले क्षेत्रों से सेना हटा लेता है और नाटो में शामिल होने का प्लान छोड़ देता है तो युद्ध रुक सकता है। पुतिन ने कहा कि उन्होंने ऐसी शर्त इसलिए रखी है ताकि इस जंग का अंतिम समाधान निकल जाए. मास्को में रूसी विदेश मंत्रालय में अपने भाषण में उन्होंने कहा कि रूस बिना देरी के बातचीत के लिए तैयार है।

'इतिहास के दर्दनाक पन्ने को पलटने का समय'

रूस के राष्ट्रपति ने कहा, "हम इतिहास के दर्दनाक पन्ने को पलटने की और रूस, यूक्रेन और यूरोप के बीच एकता बहाल करने का आग्रह कर रहे हैं। रूस की ओर से कोई नई मांगें नहीं रखी गई है। रूस पहले से भी युद्ध को रोकने के लिए ऐसी मांगें कर चुका है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन की यह टिप्पणी इटली में हो रहे जी 7 शिखर सम्मेलन के बीच आई है। इससे पहले 8 जून को पुतिने ने यूक्रेन में युद्ध जीतने के लिए परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से इनकार किया था।

यूक्रेन के सैन्य बलों पर लगे प्रतिबंध

रूस के राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच शांति बहाल को लेकर कई और मांगें रखी है, जिसमें यूक्रेन की गैर-परमाणु स्थिति, उनके सैन्य बलों पर प्रतिबंध और रूसी भाषा वाले लोगों के हितों की रक्षा करना शामिल है। पुतिन ने कहा, ये सभी मौलिक अंतरराष्ट्रीय समझौतों का हिस्सा बनना चाहिए और रूस के खिलाफ सभी पश्चिमी देशों का प्रतिबंध हटा दिया जाना चाहिए, तभी सीजफायर हो सकता है।

कीव की प्रशासनिक सीमाएं मास्को को सौंपे

पुतिन ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि कीव को इन क्षेत्रों से पूरी तरह से हट जाना चाहिए और इन क्षेत्रों की प्रशासनिक सीमाओं को मास्को को सौंप देना चाहिए। कीव को अपने क्षेत्रीय लाभ को पहचानना चाहिए और नाटो में शामिल होने की मांग को छोड़ देनी चाहिए। हालांकि, यूक्रेन के चार क्षेत्रों पर रूस ने अभी किसी पर भी पूरी तरह से नियंत्रण नहीं किया है।

नाइक ने लिया आडवाणी का आशीर्वाद

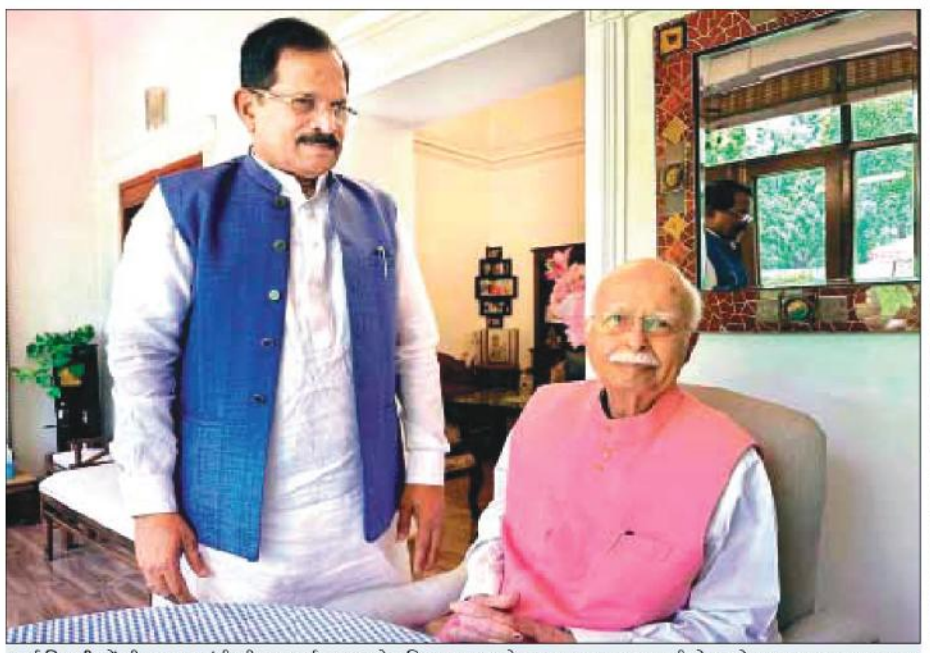

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपाद वाई नाइक ने वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की और उनकी कुशलक्षेम जानी।

सऊदी अरब ने अमेरिका को 50 सालों में दिया सबसे बड़ा झटका

रियाद। सऊदी अरब की चीन-रूस के साथ लगातार करीबी बढ़ रही है। अब सऊदी मार्केट में अमेरिका की संप्रभुता घटती जा रही है। सऊदी अपने कारोबार का दायरा बढ़ाते हुए रूस, चीन, जापान देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत कर रहा है। इस कड़ी में एक बढ़ा कदम उठाते हुए सऊदी सरकार ने अमेरिका को एक और झटका दिया है।

सऊदी ने अमेरिका के साथ अपनी 50 साल पुरानी पेट्रो डॉलर डील को आगे बढ़ाने से मना कर दिया है, जोकि 9 जून को एक्सपायर हो गई है। इस कदम को दुनियाभर में कारोबार के लिए यूएस डॉलर के बदले दूसरी करेंसी के इस्तेमाल के बढ़ावे के रूप में देखा जा रहा है। इसका असर अमेरिका पर सीधे तौर पर देखने मिल सकता है। एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुई थी।

अयोध्या में सभी बैरियरों पर सघन चेकिंग अभियान शुरू

अयोध्या के राम मंदिर को उड़ाने की धमकी, जैश-ए-मोहम्मद का ऑडियो वायरल होने के बाद अलर्ट जारी

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या के नवनिर्मित राम मंदिर को उड़ाने की एक बार फिर धमकी मिली है। इस बार धमकी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने दी है। इसका एक ऑडियो वायरल होने के बाद यूपी की योगी सरकार ने अलर्ट जारी कर दिया है। राम नगरी में तैनात सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया गया है। अलर्ट के बाद अयोध्या में रामकोट के सभी बैरियरों पर सघन चेकिंग अभियान के साथ जांच शुरू कर दी गई है। रामलला के दर्शन मार्ग पर भी श्रद्धालुओं की निगरानी बढ़ा दी गई है। बताया जाता है कि धमकी वाले ऑडियो में आमिर नामक जैश-ए-मोहम्मद आतंकी को कहते सुना जा रहा है कि हमारी मस्जिद को हटाकर मंदिर बनाया गया है। अब इसे बम से उड़ा दिया जाएगा। आतंकी कह रहा है कि हमारे तीन साथी कुर्बान हुए हैं और अब इस मंदिर को गिराना ही होगा। अलर्ट के साथ ही सुरक्षा एजेंसियां ऑडियो की जांच कर रही हैं।

तत्काल सतर्कता बढ़ाई

अयोध्या के राम मंदिर पर हमले की धमकी इससे पहले भी दो तीन बार मिल चुकी है। पिछले साल भी धमकी मिली थी। हालांकि तब फर्जी निकली थी। इससे पहले 2005 में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने यहां हमला भी किया था। अब एक बार फिर जैश-ए-मोहम्मद के नाम से अयोध्या में आतंकी हमले का ऑडियो वायरल हुआ तो सतर्कता तत्काल बढ़ा दी गई है। रामलला के मंदिर में एवं भक्तों के लिए चैकिंक अभियान शुरू कर दिया है।

जी-7 देशों के अन्य नेताओं से मुलाकात में कई मुद्दों पर बातचीत हुई

पीएम मोदी का इटली में फ्राइडे हाउसफुल, पोप फ्रांसिस से भी होगी बैठक

एजेंसी ▶▶ इटली

पीएम मोदी इटली के दौरे पर हैं। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद से यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने जी-7 देश के नेताओं से मुलाकात की और द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की। पीएम के साथ मुलाकात में फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों, ऋषि सुनक जैसे नेता शामिल हुए। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी अपनी पहली विदेश यात्रा पर गए हैं। उनकी पहली विदेश यात्रा इटली की है। पीएम वहां जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गए हैं। इस सम्मेलन में भारत को एक आउटरीच देश के रूप में आमंत्रित किया गया है। जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के साथ ही साथ पीएम अन्य देशों के राजनेताओं से भी मुलाकात करेंगे।

शानदार बोर्गो एग्नाजिया रिसॉर्ट में बैठक

जी-7 शिखर सम्मेलन 13 जून से 15 जून तक इटली के अपुलीया क्षेत्र में शानदार बोर्गो एग्नाजिया रिसॉर्ट में हो रहा है। शुक्रवार यानी 14 जून को पीएम मोदी वर्ल्ड लीडर्स के अलावा पोप फ्रांसिस से भी मुलाकात करने वाले हैं. पीएम मोदी के इटली में होने वाले सभी कार्यक्रम की डिटेल दे दी गई है। पीएम मोदी इटली के पीएम जियोर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

नई दिल्ली। भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, दाईं ओर, दक्षिणी इटली के बारी के पास बोर्गो इग्नाजिया में जी-7, शुक्रवार को एआई, ऊर्जा, अफ्रीका और मध्यपूर्व पर एक कार्य सत्र के दौरान पोप फ्रांसिस का स्वागत करते हैं।

बाइडेन और जेलेंस्की के बीच 10 साल का सुरक्षा समझौता

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच जी7 में दस साल के द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसका उद्देश्य रूसी आक्रमणकारियों के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा को मजबूत करना।

सुनक, मेलोनी और गापानी पीएम से होगी मुलाकात

भारत जी-7 का सदस्य नहीं है लेकिन आउटरीच देश के तौर पर आमंत्रित किया है। इस दौरान पीएम मोदी आउठरीच सत्र में शिरकत करेंगे और और इवेंट से इतर कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात करेंगे। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम मोदी का ये पहला विदेशी दौरा है।

विशेष कोर्ट ने सबूतों के अभाव में फैसला सुनाया

दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर को बरी किया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर को महाराष्ट्र में ठाणे की एक कोर्ट ने जबरन वसूली के मामले में बरी कर दिया। जानकारी के अनुसार ठाणे में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत नामित एक विशेष कोर्ट ने सबूतों के अभाव में फैसला सुनाया। कोर्ट के न्यायाधीश अमित एम शेटे ने कहा कि अभियोजन पक्ष कासकर के खिलाफ आरोपों को साबित करने में विफल रहा, इसलिए आरोपी को संदेह का लाभ मिला। ठाणे पुलिस ने 2017 में कासकर के खिलाफ एमसीओसीए की धारा 3 (संगठित अपराध) के अलावा भारतीय दंड संहिता आईपीसी की धारा 384 (जबरन वसूली), 386 (किसी व्यक्ति को मृत्यु या गंभीर चोट के भय में डालकर वसूली), 387 (वसूली करने के लिए किसी व्यक्ति को मृत्यु या गंभीर चोट के भय में डालना), 34 (सामान्य इरादे को आगे बढ़ाने में कई व्यक्तियों द्वारा किए गए (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)